हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 5, अंकः 342, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 21 मई, 2021 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

बच्चों, युवाओं के लिए करनी होगी आगे की तैयारी : मोदी

कोरोना पर देश के 54 जिलों के डीएम से संवाद में बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश भर के 54 जिलों के साथ संवाद किया। पीएम मोदी आज कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित 10 राज्यों के 54 जिलों के डीएम के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में इन जिलों में कोरोना संक्रमण के ताजा हालात और उन पर नियंत्रण पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने 10 राज्यों-छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश के डीएम और फील्ड अधिकारियों के साथ बातचीत की इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस ने आपके काम को और अधिक मांग और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। नई चुनौतियों के बीच हमें नई रणनीतियों और समाधानों की जरूरत है। स्थानीय अनुभवों का उपयोग करना महत्वपूर्ण हो जाता है और हमें एक देश के रूप में मिलकर काम करने की आवश्यकता है। पीएम मोदी ने कहा कि आपके फील्डवर्क, आपके अनुभवों और फीडबैक से हमें प्रभावी नीतियां बनाने में मदद मिलती है। यहां तक कि टीकाकरण अभियान की रणनीति बनाने के लिए भी हम राज्यों और अन्य हितधारकों द्वारा दिए गए सुझावों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय 15 दिनों के लिए राज्यों को टीके के संबंध में जानकारी प्रदान कर रहा है। वैक्सीन की आपूर्ति से आपको टीकाकरण की समय-सीमा को प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि वैक्सीन की बबार्दी का मुद्दा है। एक खुराक भी बर्बाद करने का मतलब है जीवन को ढाल न दे पाना। वैक्सीन की बबार्दी रोकना जरूरी है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जीवन बचाने के साथ-साथ हमारी प्राथमिकता जीवन को आसान बनाए रखने की भी है। गरीबों के लिए मुफ्त राशन की सुविधा हो, दूसरी आवश्यक सप्लाई हो,

कालाबाजारी पर रोक हो, ये सब इस लड़ाई को जीतने के लिए भी जरूरी हैं, और आगे बढ़ने के लिए भी आवश्यक है। पीएम मोदी ने कहा कि दूसरी लहर के बीच वायरस म्यूटेशन की वजह से अब युवाओं और बच्चों के लिए ज्यादा चिंता जताई जा रही है। आपने जिस तरह से फील्ड पर काम किया है इसने इस चिंता को गंभीर होने से रोकने में मदद तो की है, लेकिन हमें आगे के लिए तैयार रहना ही होगा। 18 मई को पीएम मोदी नौ राज्यों के 46 डीएम के साथ बैठक कर चुके हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान पहली बार प्रधानमंत्री सीधे डीएम से संवाद स्थापित कर रहे हैं। पहली लहर में गृह मंत्री अमित शाह अथवा केंद्रीय गृह सचिव एनसीआर के डीएम से संवाद करते थे। अब दूसरी लहर और तीसरी लहर की तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री, डीएम से संवाद कर रहे हैं।

ममता बनर्जी भी लिया बैठक में हिस्सा- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी आज पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल हुईं इस बैठक में मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव के साथ पश्चिम बंगाल के नौ जिलों के डीएम भी वर्चुअली मीटिंग में शामिल हुए।

हर जिले में कोरोना कमांड सेंटर स्थापित करने का सुझाव- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक थिंक टैंक ने सुझाव दिया है कि हर जिले में कोरोना कमांड सेंटर स्थापित किया जाना चाहिए जो जरूरी बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन से सुसज्जित हो। ताकि गांवों और उसके बीच सूचनाओं का दोनों ओर से आदान-प्रदान हो सके। द टेक्नोलाजी इंफोरमेशन फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल के सुझाव के मुताबिक, इसकी मदद से उपलब्ध संसाधनों और आंकड़ों का अन्य वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए अधिकतम इस्तेमाल हो सकेगा। काउंसिल के मुताबिक, सभी जिलों के कोरोना कमांड सेंटर राज्य के कोरोना कमांड सेंटर से जुड़े होने चाहिए जो पूरे राज्य का सूचना भंडार केंद्र होगा। इसी तरह सभी राज्य कोरोना कमांड केंद्र केंद्रीय कोरोना कमांड केंद्र से जुड़े होने चाहिए।

आजमगढ़ में फिलिस्तीनी झंडा लहराने की अपील करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। फिलिस्तीनी झंडा लहराने की अपील करके एक युवक ने सनसनी फैला दी। सोशल मीडिया के जरिये गतिविधियों का पता चला तो पुलिस अलर्ट हो गई। आनन-फानन में आरोपित के खिलाफ सरायमीर थाने में केस दर्ज कर

आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि कानून को चुनौती देने वाली गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पुलिस के मुताबिक दिनांक 20 मई सोशल मीडिया के जरिये जानकारी मिली कि यासिर अख्तर निवासी उत्तरी चुड़िहार कस्बा व थाना सरायमीर अपने मोबाइल नंबर से अपने फेसबुक पेज पर फिलिस्तीन का झंडा फहराते हुए शुक्रवार को घर और गाड़ी पर फिलिस्तीनी झंडा लहराने की अपील करते हुए पोस्ट किया गया है। जिस पर काफी लोगों ने कमेंट/री-कमेंट किया गया है। उस मामले में स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया है। सर्विलांस सेल के जरिये मदद से जांच पड़ताल के बाद अभियुक्त यासीर अख्तर गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई।

योगी सरकार की अभिभावकों को बड़ी राहत 2021-22 के सत्र में स्कूलों में नहीं होगी फीस वृद्धि

लखनऊ। कोरोना वायरस संमक्रण के कारण लम्बे समय से प्रभावित चल रही शिक्षा और शैक्षणिक सत्र के बीच में गुरुवार को योगी आदित्यनाथ सरकार ने अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला लिया है कि प्रदेश के किसी भी विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में फीस वृद्धि नहीं होगी। सरकार का दावा है कि यह एक ऐसा संतुलित निर्णय है जिससे कि आम जन पर अतिरिक्त भार न पड़े। इसके साथ ही विद्यालय में कार्यरत शिक्षक व कार्मिकों को नियमित वेतन देना सुनिश्चित किया जा सके।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश में संचालित हर बोर्ड के स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में स्कूल की फीस में बढ़ोतरी नहीं कर सकेंगे। यह आदेश प्रदेश में संचालित सभी बोर्डों के सभी विद्यालयों पर लागू होगा। सरकार ने कोरोना महामारी के चलते पैदा हुई परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश में संचालित सभी बोर्डों के सभी विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए शुल्क वृद्धि पर रोक लगा दी है। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कोविड के चलते कई परिवार आर्थिक रूप से प्रभावित हुए हैं। विद्यालय भौतिक रूप से बंद हैं, लेकिन अधिकांश जगह पर ऑनलाइन पठन पाठन कार्य जारी है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने एक ऐसा संतुलित निर्णय किया है जिससे कि आम जनमानस पर अतिरिक्त भार न पड़े इसके साथ ही सभी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक व शिक्षणेत्तर का?मकों को नियमित वेतन देना सुनिश्चित किया जा सके।

मासिक फीस भी दे सकेंगे: इसके साथ ही किसी को भी अब विद्यालय बंद रहने की अवधि में परिवहन शुल्क नहीं देना होगा। इस दौरान तीन माह की अग्रिम फीस देने में परेशानी होने पर अभिभावक बच्चों की मासिक फीस भी दे सकेंगे।

विद्यालय बंद रहने की अवधि में परिवहन शुल्क नहीं : उप मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021-22 में उसी शुल्क संरचना के हिसाब से शुल्क ले सकेंगे जो वर्ष 2019-20 में लागू की गई थी। अगर किसी स्कूल ने बढी हुई शुल्क संरचना के हिसाब से फीस ले ली है तो इस फीस को आगे के महीनों की फीस में समायोजित किया जाएगा।

अग्रिम शुल्क देने के लिए बाध्य नहीं: उन्होंने कहा है कि विद्यालय बंद रहने की अवधि में परिवहन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा अगर किसी छात्र अथवा अभिभावक को तीन माह का अग्रिम शुल्क जमा करने में किसी प्रकार की परेशानी आ रही है तो उनके अनुरोध पर उनसे मासिक शुल्क ही लिया जाए।

पिनराई विजयन ने ली केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ राज्य में लगातार दूसरी बार हुआ वाम सरकार का गठन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसियां। केरल में आज एक बार फिर वाम सरकार का गठन हो गया। पिनराई विजयन ने केरल के मुख्यमंत्री के

पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह शपथ दिलाई। शपथ समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में कोविड प्रोटोकॉल के साथ हुआ। विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफ कोरोना की वजह से समारोह में शामिल नहीं हुए। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को सरकार को निर्देश दिया था कि महामारी के मद्देनजर समारोह में सीमित संख्या में लोग भाग लें। केरल में दूसरी बार सरकार बनाने वाले पिनराई विजयन के मंत्रिमंडल में 21 मंत्री होंगे। कोरोना की स्थिति को देखते हुए नई वाम मोर्चा सरकार के शपथ ग्रहण में सीमित लोगों को आमंत्रित किया गया। मंत्रियों के विभागों का फैसला मुख्यमंत्री करेंगे। एलडीएफ के सबसे बड़े साझीदार माकपा के 12 मंत्री होंगे जबकि दूसरे नंबर की पार्टी भाकपा के चार, केरल कांग्रेस (एम), जनता दल (एस) और राकांपा के एक-एक सदस्य होंगे। नये मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री को छोड़कर पुराने चेहरों में केवल जेडीएस नेता के. कृष्णनकुट्टी और एनसीपी नेता ए के शशींद्रन शामिल हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन में प्रमुख साझेदार माकपा और भाकपा ने इस बार पिछली सरकार के किसी भी मंत्री को बरकरार नहीं रखने का फैसला किया है। पहली बार मंत्री बनने वालों में डीवाईएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विजयन के दामाद पी ए मोहम्मद रियास, माकपा के कार्यवाहक राज्य सचिव ए विजयराघवन की पत्नी आर बिंदु (दोनों माकपा), जी आर अनिल, चिंचू रानी तथा पी प्रसाद (सभी भाकपा) तथा अहमद देवरकोविल (आईएनएल) शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में घटने लगा है कोरोना वायरस का संक्रमण, रिकवरी रेट लगभग 92 फीसदी

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की गति प्रदेश में अब मंद पड़ती जा रही है। आमतौर पर 24 घंटे से अधिक विलंब से रोज की रिपोर्ट जारी करने वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार को सिर्फ 15 घंटे में ही टेस्ट रिपोर्ट जारी कर दी। प्रदेश में अब रिकवरी रेट 91.80 प्रतिशत हो गया है। कल की टेस्ट रिपोर्ट आज मिली है। जिसके अनुसार प्रदेश में 6725 नए संक्रमित मिले हैं जबकि दो लाख पचास हजार से अधिक सैंपल की टेस्टिंग की गई।

प्रदेश में 75 में से सिर्फ 15 जिलों में कोरोना के 49 फीसद संक्रमित हैं। सूबे में अब एक लाख 16,434 एक्टिव केस हैं जबकि बुधवार तक इनकी संख्या 1,23,579 थी। इसमें से भी 60,816 संक्रमित सिर्फ 15 जिलों में हैं। यानी 49.2 फीसद संक्रमित 60 जिलों में हैं बाकी 50.80 हैं। सिर्फ 15 जिलों में ही 2500 से अधिक एक्टिव केस हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन भी अब धीरे-धीरे काबू में आ रही है। सेकेंड स्ट्रेन ने प्रदेश में जान का सर्वाधिक नुकसान किया है।

प्रदेश में बीते 24 घंटे में 6725 नए संक्रमित मिले हैं जबकि 13590 लोगों इसके संक्रमण से उबरे हैं। 24 घंटे में 238 लोगों की मौत हुई है जबकि प्रदेश में कुल 18588 लोगों ने दम तोड़ा है। 30 अप्रैल के बाद गुरुवार पहला दिन है जबकि प्रदेश के किसी भी जिले में पांच सौ नए केस नहीं मिले हैं। मेरठ में सर्वाधिक 442 नए संक्रमित मिले हैं। लखनऊ में 353 नए केस मिले हैं जबकि 21 लोगों ने दम तोड़ा है। यहां पर कुल मृतक 2337 हैं। एक्टिव केस भी अब 7363 हैं। लखनऊ के बाद बीते 24 घंटे में वाराणसी में 16, गाजीपुर में 15, आगरा में 12 तथा मेरठ व कानपुर नगर में 11-11 लोगों की मौत हुई है। वाराणसी में 381, कानपुर में 93, आगरा में 73 तथा गाजीपुर में 39 नए संक्रमित मिले हैं।

लालू की सीएम नीतीश को चुल्लू भर पानी वाली नसीहत तेजस्वी बोलेः सामुदायिक रसोई में आदमी से अधिक गधे

पटना। बिहार में कोरोनावायरस के संक्रमण काल के दौरान राज्य सरकार पर विपक्ष हमलावर है। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव तथा उनके बेटे व बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। लालू ने जहां नीतीश को चुल्लू भर पानी में मजे करने की नसीहत दी है, वहीं तेजस्वी ने कहा है कि सरकारी सामुदायिक रसोई में इंसानों से अधिक गधे मिलते हैं। वहां सफाई है न मास्क, केवल लूट मची है।

लालू ने सरकार पर लगाया नकारापन का आरोप- लालू प्रसाद यादव ने बिहार में कोरोना संकट पर नियंत्रण में सरकार पर नकारापन का आरोप लगाया है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि कोरोना जांच नहीं हो रहा है। ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। डॉक्टर-नर्स नहीं मिल रहे हैं। अस्पताल नहीं बना पाए हैं। दवा व इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं। वेंटिलेटर व टेक्नीशियन नहीं मिले हैं। ऐसे में हर सवाल पर नीतीश कुमार 'क्या करें' कहते हैं। लालू आगे कहते हैं कि अगर ऐसा है तो नीतीश कुमार चुल्लू भर पानी में मजे करें।

तेजस्वी ने सामुदायिक रसोई की व्यवस्था पर घेरा- इस बीच तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सामुदायिक रसोई की व्यवस्था पर घेरा है। कहा है कि नीतीश कुमार सजावटी दिखावटी मिलावटी सामुदायिक रसोई के तामझाम से वर्चुअल टूर का ढोंग करते हैं। उनके टूर के बाद जब आरजेडी के विधायक जायजा लेते हैं तो वहां इंसानों से अधिक गधे मिलते हैं। वहां खाने वाले बस एक-दो आदमी होते हैं और सौ-दो सौ बताए जाते हैं। वहां सफाई है न मास्क। है तो केवल लूट। नीतीश कुमार जी सजावटी दिखावटी मिलावटी सामुदायिक रसोई का तामझाम से वर्चुअल टूर का ढोंग करते है। उनके टूर के बाद हमारे टछअ सरकारी किचन का जायजा लेते है तो वहाँ इंसानों से अधिक गधे मिलते है।खाने वाले बस एक-दो आदमी होते है और बताए जाते है 100-200!

फेसबुक की नई ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में दावा, भारत सरकार ने 6 महीने में मांगा 40300 यूजर्स का डेटा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने अपनी ताजा ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में कहा है कि भारत सरकार ने उससे साल 2020 के आखिरी 6 महीनों में 40 हजार 300 यूजर्स के डेटा मांगे थे। रिपोर्ट में बताया गया है भारत सरकार की ओर से आए अनुरोधों में जनवरी से जून 2020 की तुलना में 13.3 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। इस दौरान भारत ने 35 हजार 560 यूजर्स के डेटा मांगे थे।

अमेरिकी कंपनी फेसबुक ने जुलाई से दिसंबर 2020 के बीच में भारत के सूचना प्रसारण मंत्रालय के निदेर्शों के मुताबिक, 878 आइटम्स को प्रतिबंधित भी किया। इनमें से 10 आइटम को कुछ समय के लिए प्रतिबंधित किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने जुलाई से दिसंबर 2020 के बीच कुल 40 हजार 300 अनुरोध भेजे थे। इनमें से 37 हजार 865 अनुरोध कानूनी प्रक्रिया वाले थे और 2 हजार 435 अनुरोध इमरजेंसी डिस्क्लोजर वाले। यूजर्स के डेटा देने के सबसे ज्यादा अनुरोध करने वालों में हालांकि, भारत दूसरे पायदान पर है। पहले नंबर पर अमेरिका है जिसने जुलाई-दिसंबर 2020 के बीच कुल 61 हजार 262 यूजर्स के डेटा मांगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि साल 2020 के पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही के अंदर दुनियाभर की सरकारों से मांगे जाने वाले यूजर्स के डेटा की संख्या में 10 फीसदी इजाफा हुआ है।

पहली छमाही में जहां दुनियाभर की सरकारों ने मिलकर फेसबुक से 1 लाख 73 हजार 592 यूजर्स के डेटा मांगे थे तो वहीं दूसरी छमाही में यह आंकड़ा 1 लाख 91 हजार 13 तक पहुंच गया था। भारत में 62,754 यूजर/अकाउंट्स से संबंधित डेटा की मांग की गई थी और 52 फीसदी मामलों में कुछ डेटा प्रस्तुत किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'फेसबुक सरकार की ओर से आए डेटा पाने के अनुरोधों का जवाब संबंधित कानूनों और अपनी सेवा की शर्तों के मुताबिक देता है।

पूर्वोत्तर में बढ़ा चीनी खतरा, अरुणाचल प्रदेश के पास तक ड्रैगन ने बनाया हाइवे, 228 दिन पहले ही पूरा हो गया काम

बीजिंग। गलवान घाटी में बीते साल हुई हिंसक झड़प के बाद अपनी सेना पीछे हटाने का दावा करने वाले चीन ने अब अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास हलचल तेज कर दी है। दरअसल, चीन ने तिब्बत के दक्षिणपूर्वी हिस्से के सुदूर इलाकों में हाइवे का निर्माण पूरा कर लिया है, जो कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास है और भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है। इस हाइवे में 2 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है।

यह हाइवे दुनिया की सबसे गहरे दर्रे यारलुंग जांग्बो ग्रैंड दर्रे से कटता है और संभवतः यह बाइबंग काउंटी में जाकर खत्म होता है, जो कि अरुणाचल प्रदेश के बिशिंग गांव की सीमा के पास है। बिशिंग गांव अरुणाचल प्रदेश के गेलिंग सर्कल में आता है, जो मैकमोहन सीमा को छूता है। मैकमोहन लाइन चीन और भारत के बीच वास्तविक सीमा चिह्नित करती है। चीन अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं मानता और वह दावा करता है कि यह दक्षिणी तिब्बत में आता है। यह हाइवे भारत के साथ एलएसी के पास सड़कों और सुरंगों के निर्माण की चीन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का हिस्सा है। इससे चीन के दूरस्थ इलाके भी शहरों और हवाई अड्डों से जुड़ेंगे।

ब्रह्मपुत्र पर हाइड्रो-प्रोजेक्ट में भी होगी इस हाइवे की बड़ी भूमिका- इस हाइवे के चालू होने से अब तिब्बत के शहरी इलाके

निंगची और सीमा से सटे गांव के बीच का सफर घटकर सिर्फ 8 घंटे का रह जाएगा। माना जा रहा है कि चीन के मेगा यारलुंग जांग्बो हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट की योजना बनाने में भी यह हाइवे बड़ी भूमिक निभाएगा। बता दें कि तिब्बत की यारलुंग जांग्बो नदी ही भारत में बहकर आने पर अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र नदी बनती है। यहां से यह नदी बांग्लादेश जाती है। चीनी मीडिया के मुताबिक, इस हाइवे का निर्माण 16 मई को पूरा हो गया था। यह हाइवे अपनी डेडलाइन से 228 दिन पहले ही बन गया है। इससे पहले चीन ने भारत की सीमा से सटे मेडोग और निंगची के बीच 2114 मीटर लंबी सुरंग और 67.22 किलोमीटर की रोड भी बनाई थी। भारत में रहने वाले तिब्बत के जानकार क्लॉड अर्पी कहते हैं, 'सड़क का बेशक रणनीतिक महत्व है। पहला तो इसलिए क्योंकि यह वास्तविक सीमा रेखा के पास है और दूसरा इसलिए भी कि चीन ने तिब्बत में जो भी निर्माण किए हैं वे सैन्य और नागरिक दोनों ही तरह के इस्तेमाल के हिसाब से किए गए हैं।' सीमा के पास अपर सियांग जिले में भारत भी 150 किलोमीटर लंबे नेशनल हाइवे का निर्माण कर रहा है। बीते साल नवंबर में अरुणाचल प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अलो लिबांग ने बताया था कि हाइवे निर्माण के लिए सैटलाइट सर्वे का काम पूरा हो चुका है।

कोरोना की दूसरी लहर ने देशभर में ली 329 डॉक्टरों की जान, सूची में बिहार और दिल्ली सबसे आगे

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने अब तक 329 डॉक्टरों की जान ले ली है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा डॉक्टरों की मौत बिहार में हुई है जहां, अब तक 80 मौतें दर्ज हुई हैं तो वहीं इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली दूसरे पायदान पर है। दिल्ली में दूसरी लहर के कारण 73 डॉक्टरों की मौत हुई है।

सूची के मुताबिक, उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है। राज्य में कोरोना की दूसरी लहर ने अब तक 41 डॉक्टरों को लील लिया है। इसके अलावा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी 20-20 डॉक्टरों की जान गई है। महाराष्ट्र में अब तक 14 डॉक्टरों ने जान गवाई है तो वहीं पश्चिम बंगाल में 15 ने। इसके अलावा पंजाब, पुडुचेरी ऐसी जगहे हैं जहां यह आंकड़ा सिर्फ 1-1 तक सिमटा हुआ है। सूची के मुताबिक, असम में 3, छत्तीसगढ़ में 3, गुजरात में 2, गोवा में 2, हरियाणा में 2, जम्मू-कश्मी में 3, कर्नाटक में 8, केरल में 3, मध्य प्रदेश में 6, ओडिशा में 14, तमिलनाडु में 11, त्रिपुरा में 2, उत्तराखंड में 2 डॉक्टरों की जान कोरोना के कारण गई है।

एक दिन में गई थी देशभर में 50 डॉक्टरों की जान- इससे पहले मंगलवार को खबर आई थी कि देशभर में कोरोना संकट ने एक दिन के अंदर ही 50 डॉक्टरों की जान ले ली थी। इनमें से 3 फीसदी डॉक्टर ही ऐसे थे, जिन्होंने कोरोना टीके की पूरी डोज ली थी। भारत में टीकाकरण की शुरूआत हुए 5 महीने का वक्त गुजर गया है और अब भी देश में सिर्फ 66 फीसदी हेल्थवर्कर्स को ही टीका लगा है। वैश्विक महामारी की पहली लहर में 736 डॉक्टरों की मौत संक्रमण से हुई थी। इस तरह से कोरोना वायरस की वजह से अब तक देश में 1000 से ज्यादा डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके हैं।

संपादकीय

निजता पर निगरानी

कुछ समय पहले वाट्सऐप ने जब अपने उपयोगकताओं को नई निजता नीति स्वीकार करने के लिए बाध्य करने जैसे नियम थोपने की कोशिश की, तब उसकी यह जिद विवादों के घेरे में आई कि आखिर वह लोगों की निजता को जोखिम में क्यों डालना चाहता है। उसके बाद बहुत सारे लोगों ने वाट्सऐप की इस मंशा का विरोध किया और दुनिया भर में इसकी तरह सुविधाओं वाले वैकल्पिक मंचों को अपनाने का अभियान भी चल पड़ा। तब वाट्सऐप ने अपनी उस घोषणा पर अमल के विचार को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया था और यह कहा था कि वह लोगों की निजता की कद्र करता है। लेकिन अब हाल ही में फिर उसने यह कहा कि उसकी निजता नीति को स्वीकार नहीं करने पर कुछ सुविधाएं बंद कर दी जाएंगी। यह वाट्सऐप का मनमानापन है कि वह अपने फायदे या अघोषित नियंत्रण के लिए लोगों की निजता का सौदा करना चाहता है। इसलिए सरकार ने उचित ही वाट्सऐप को यह हिदायत दी है कि वह लोगों की निजता के साथ खेल खेलना बंद करे। बुधवार को सूचना एवं तकनीक मंत्रालय ने साफ लहजे में वाट्सऐप से अपनी गोपनीयता नीति, 2021 को वापस लेने का निर्देश दिया। दरअसल, मंत्रालय का यह मानना है कि वाट्सऐप की ओर से निजता नीति में बदलाव गोपनीयता और आंकड़े या ब्योरों की सुरक्षा के मूल्यों को कमजोर करते हैं और इस तरह वे भारतीय नागरिकों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाते हैं। कोई भी जागरूक और सामान्य समझ रखने वाला व्यक्ति इस चिंता से सहमत होगा। लेकिन हैरानी की बात है कि इस कसौटी पर कोई वाजिब उत्तर नहीं होने के बावजूद वाट्सऐप ने इस नीति को लागू करने की ओर कदम बढ़ा दिए। उसने इस बात का भी खयाल रखना जरूरी नहीं समझा कि उसकी नीतियों से भारतीय कानूनों के कई प्रावधानों का उल्लंघन होता है। इसलिए स्वाभाविक ही मंत्रालय ने वाट्सऐप को नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया है और संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाने की बात कही है। यों भी यह विचित्र है कि वाट्सऐप भारतीय उपयोगकताओं पर जो नियम थोपना चाहता है, यूरोप के लोगों को उससे छूट है। कथित तौर पर वैश्विक मंच होने के नाते वाट्सऐप के इस भेदभावपूर्ण व्यवहार का आधार क्या है? किसी सार्वजनिक मंच के उपयोग का मतलब यह नहीं हो सकता कि उसके संचालकों को उपयोगकताओं की निजता पर निगरानी रखने और उसका मनमाना इस्तेमाल करने का अधिकार मिल जाए। ऐसा लगता है कि वाट्सऐप के कर्ताधर्ता अपने दायरे में आने वाले तमाम लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की व्यवस्था बनाना चाहते हैं। जबकि अब तक यही वाट्सऐप अपने मंच का उपयोग करने वालों को यह आश्वासन देता रहा है कि यहां आपकी हर गतिविधि शुरू से आखिर तक पूरी तरह निजी और सुरक्षित है। सवाल है कि आखिर अब यही वाट्सऐप क्यों लोगों को अपनी नई निजता नीति के दायरे में लाना चाहता है और शर्तें नहीं मानने वालों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करना चाहता है। क्या यह माना जाए कि पहले वाट्सऐप ने लोगों को निजता बनाए रखने का भरोसा देकर अपने ऊपर निर्भर किया और अब सबकी निजता पर नजर रखना चाहता है? साइबर विशेषज्ञों ने निजता पर निगरानी और उसके मनमाने इस्तेमाल को लेकर जैसी चिंता जताई है, अगर उस पर गौर नहीं किया गया तो आने वाले वक्त में वाट्सऐप जैसे मंचों के जरिए लोगों को नियंत्रित करने का भी खेल चल सकता है! यह निजता के अधिकारों के हनन के साथ-साथ एक संप्रभु देश के नागरिकों की स्वतंत्रता को भी नियंत्रित करने जैसा होगा!

सही नहीं संदेश !

टूलकिट-टूलकिट ।
मचा आज है शोर ।।
हैं हम ही बस अच्छे ।
लगी हर तरफ जोर ।।
करके तय एजेंडा ।
पकड़े अजब राह ।।
बौखलाहट सामने ।
ले सकते थाह ।।
क्या होना है हासिल ?
करके गलत प्रचार ।।
लेना निपट बाद में ।
हो पहले उपचार ।।
दुष्प्रचार वैश्विक ।
सही नहीं संदेश ।।
चर्चा में लड़ाई ।
क्या रहा अब शेष ?

–कृष्णेन्द्र राय

सवाल प्राथमिकता का

सुविज्ञा जैन

पूरी दुनिया महामारी की मार से कराह रही है। धनवान देश भी इस आपदा से निपटने में ज्यादा कुछ नहीं कर पाए। भारत एक साल की तबाही के बावजूद अभी भी गंभीर संकट में है। नई बात यह कि स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से गरीब और अमीर दोनों ही परेशान हैं। अमीरों की धन-संपत्ति भी धरी की धरी रही जा रही है। ये हालात हमें अपनी बुनियादी जरूरतों के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। यानी हम अपनी प्राथमिकताओं को फिर से तय करें। महामारी से पहले वाले युग में आर्थिक और सामाजिक उपलब्धियां प्राथमिकता की सूची में सबसे ऊपर हुआ करती थीं। लेकिन अब पहला लक्ष्य जिंदा बचे रहना ही बनता जा रहा है।

दुनिया में कहीं की भी हो और कैसी भी सरकार हो, उसका घोषित लक्ष्य अपने नागरिकों के लिए न्यूनतम जरूरतों का प्रबंध करना ही होता है। लेकिन इस महामारी में तो सबकी जान पर बन आई। दुनियाभर की सरकारें अपने नागरिकों की जिंदगी बचाने में जूझती रहीं। महामारी ने जिस कदर डराया और अभी भी डरा रही है, उसके बाद तो पूरी दुनिया को समझ आ चुका होगा कि जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य और सबसे बड़ी सफलता जीवन को सुरक्षित रखना ही है। यानी आगे से अब हमें जीवन को ही सफलता का पर्याय मान कर चलना पड़ेगा। व्यक्तिगत स्तर पर तो लोग समझने ही लगे हैं कि अगर वे खुद को सुरक्षित बचा पाए तो यही उनकी सबसे बड़ी सफलता है। अगर वाकई ऐसा है तो अब विद्वान और विशेषज्ञों को भी मानव की मूल आवश्यकताओं की सूची को फिर से परिभाषित करने के काम पर लग जाना चाहिए। मशहूर मनोविज्ञानी अब्राहम मैस्लो की बताई मानव की मूल आवश्यकताओं को पुनर्परिभाषित करने का समय आ गया लगता है।

मैस्लो ने मानव की पांच जरूरतों को पहचाना था। प्राथमिकता के आधार पर उनका क्रम भी बनाया था। उन्होंने इसमें भूख, प्यास जैसी कायिक या शारीरिक आवश्यकताओं को सबसे ऊपर रखा था। उसके बाद सुरक्षा को दूसरे स्थान पर रखा था। लेकिन महामारी के इस युग में लगने लगा है कि स्वास्थ्य जैसी सुरक्षा को भूख और प्यास की ही श्रेणी में ही रखना पड़ेगा। नया अनुभव यह मिला है कि जिनके पास भोजन, पानी, रक्षा उपकरण, सामाजिक शान शौकत सब कुछ था, वे भी स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में अपना जीवन नहीं बचा पाए। इस आपदाकाल में साफतौर पर देखा गया कि दुनिया के अमीर देश तक अपने बीमार नागरिकों के लिए समय पर दवा और अस्पतालों का इंतजाम नहीं कर पाए। भारत में तो महामारी अभी भी बेकाबू है। मरीजों की बढ़ती रफ्तार के सामने अस्पतालों का ढांचा बौना पड़ गया है। पता तो पहले से था कि अपनी आबादी के लिहाज से न तो हमारे पास पर्याप्त डॉक्टर हैं, न उतने अस्पताल हैं, न अस्पतालों में बिस्तर, दवा और उपकरणों का इंतजाम है। यह ऐसी हकीकत थी जिसे हम छुपाए हुए थे। लेकिन महामारी ने असलियत को उघाड़ कर रख दिया। इसलिए कोरोना हमें मजबूर कर रहा है कि अब स्वास्थ्य सुरक्षा को मूल आवश्यकताओं की सूची में सबसे ऊपर रखा जाए, बिल्कुल रोटी और पानी के साथ। यानी जिस तरह दुनिया में खाद्य सुरक्षा के लिए मुहिम चलाई जाती है और जलापूर्ति की चिंता की जाती है, उसी तरह दुनियाभर की सरकारों को अपनी नीति में स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर लाना ही पड़ेगा और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के लिए पर्याप्त से ज्यादा बजट रखना पड़ेगा।

विद्वान लोग अगर पूर्वाग्रहों को छोड़ कर समीक्षा करें तो साफ तौर पर बता सकते हैं कि पिछले कुछ दशकों में भारत में जिस रफ्तार से आर्थिक वृद्धि हुई है, उस हिसाब से स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार नहीं मिला। जिस समय महामारी शुरू हुई, उस समय भारत में स्वास्थ्य सेवा का दायरा हद से ज्यादा सीमित था। मसलन, सन 2020 में आई मानव विकास रिपोर्ट के आंकड़ों को देखें तो भारत में प्रति दस हजार आबादी पर सिर्फ नौ डॉक्टर ही उपलब्ध थे। अस्पतालों में बिस्तरों का प्रबंध देखें तो प्रति दस हजार आबादी पर बिस्तरों की संख्या सिर्फ पांच थी। यह प्रबंध इतना नाकाफी था कि सामान्य दिनों में ही देश नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा देने में नाकाम हो रहा था। स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता का यह आंकड़ा इतना कम है कि वैश्विक महामारी तो दूर, अगर कोई छोटी-सी आपदा भी आ जाती तो झेल पाना संभव नहीं होता। आगे के लिए कोई सबक लेना हो तो अपनी वास्तविक स्थिति को छिपाने से कोई फायदा होगा नहीं। भविष्य में इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। इसलिए हमें कुछ बातें निसंकोच याद कर लेनी चाहिए। मसलन, पिछले साल जारी वैश्विक मानव विकास सूचकांक की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश के अस्पतालों में बिस्तरों की कुल उपलब्धता के मामले में दुनिया के एक सौ पैंसठ देशों के बीच भारत का स्थान एक सौ तिरपनवां रहा। यानी युगांडा, अफगानिस्तान, इथोपिया और बुर्किना फासो जैसे बारह देश ही हमसे बदतर हालत में थे। इससे साफ होता है कि स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे के मामले में हमारी स्थिति चिंताजनक हो गई थी और प्रचार के जरिए हम खुद को मुगालते में रखे हुए थे। महामारी आने के पहले से ही जागरूक तबका और विशेषज्ञ बजट में स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने पर जोर देते रहे हैं। अलबत्ता महामारी फैलने के बाद स्वास्थ्य बजट बढ़ाया तो गया, लेकिन आग लगने पर कुंआ नहीं खोदा जा सकता था। इस बात पर भी संजीदगी से सोचना होगा कि बजट में भारी-भरकम प्रावधानों के बावजूद महामारी से निपटने में हम इस कदर नाकाम क्यों हो रहे हैं? हमें कबूल कर लेना चाहिए कि शुरू में महामारी से युद्धस्तर पर नहीं निपट पाने का एक कारण स्वास्थ्य पर कम खर्च करना भी रहा। और महामारी को काबू करने में देर के कारण लाखों-करोड़ के नुकसान और हजारों नागरिकों की जान गंवाने के बाद इस साल के आम बजट में स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाया गया। हालांकि दो लाख तेईस हजार करोड़ की कुछ बड़ी दिखने वाली इस रकम में पहले से चली आ रही कई अलग-अलग मदों को भी शामिल कर लिया गया था। इस रकम का भी एक हिस्सा कोरोना टीकाकरण और महामारी से निपटने के दूसरे कामों के लिए एकमुश्त खर्च हो जाना है। बेशक लक्ष्य के रूप में ग्यारह हजार शहरी और सत्रह हजार ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र बनाने का इरादा अच्छा है। लेकिन लगातार सोचते रहना पड़ेगा कि इस एलान का क्रियान्वयन कहीं पैसे की तंगी के कारण न अटक जाए।

सचेत रहना चाहिए कि हम अभी भी आपात स्थिति में ही हैं। अपनी आबादी के लिहाज से लाखों चिकित्सकों और अर्ध-चिकित्सा कर्मचारियों की कमी है। अगर यही स्थिति रही तो इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर बनाने में ही कई साल लग जाएंगे। वक्त की जरूरत के मुताबिक अगर ये काम जल्द यानी युद्धस्तर पर करना है तो उस हिसाब से खर्च भी करना पड़ेगा। देश के स्तर पर यह तभी संभव है जब स्वास्थ्य सेवाओं को जीवन की मूल आवश्यकता माना जाए। यह महामारी अब तक बने लक्ष्यों और प्राथमिकताओं की समीक्षा करने का सबक दे रही है। कोरोना से मची तबाही से दुनियाभर की सरकारों को यह सबक तो लेना ही चाहिए कि अगर कोई देश अपने नागरिकों की जान न बचा पाए तो आर्थिक वृद्धि और अर्थव्यवस्था का आकार कोई मायने नहीं रखता। जान की कीमत पर कैसी भी सफलता बेमानी है।

'सेक्युलरवाद के नाम पर हिन्दू विरोधी पत्रकारिता' इस विषय पर ऑनलाइन विशेष संवाद !

हरियाणा के 'मेवात' में ही अल्पसंख्यंक हिन्दुओ पर धर्मांधों ने अत्याचार किए हैं, ऐसा नही है; अपितु पूर्ण देश में ऐसी अनेक घटनाएं हो रही हैं । कुछ वर्ष पूर्व 'सुदर्शन चैनल' पर 'मिनी पाकिस्तान' नाम का कार्यक्रम दिखाया गया । उसमें हमने भारत के ऐसे एक हजार स्थान दिखाएं हैं । उनमें से 9 ऐसे हैं, जहां पिज्जा नहीं जाता कोई भी ऑनलाइन वस्तु घर पर ले जाकर नहीं दी जाती, अपराधी को पकडने पुलिस भी नहीं जाती । पुलिस को जाना हो तो परासैनिक बलों को साथ ले जाना पडता है । दिल्ली को भी धर्मांधों ने चारों ओर से घेर रखा है । दिल्ली के सिलमपूर में स्थिति 'मेवात' से भी गंभीर है । दो दिन पूर्व उत्तर प्रदेश के नोएडा में 200 धर्मांधों ने यादव समाज के लोगों पर हिंसक आक्रमण किया। उसमें महिलाओ के बलात्कार से लेकर हत्या तक सभी प्रयास किए गए। मीडिया को यह विषय जातीय न लगकर केवल कानून-व्यवस्था का लगता है; परंतु यह एक गृहयुद्ध है और वह देश में अनेक स्थानों पर चल रहा है । मुख्य प्रवाह के न्यूज चॅनेल 'सेक्युलरिजम' के नाम पर उन्हें दिखाती नहीं, ऐसा रहस्योद्घाटन 'सुदर्शन न्यूज चैनल' के मुख्य संपादक श्री. सुरेश चव्हाणके ने किया । वे 'हिन्दू जनजागृति समिति' आयोजित 'सेक्युलरवाद के नाम पर हिन्दू विरोधी पत्रकारिता' इस 'ऑनलाइन विशेष संवाद' में बोल रहे थे । यह कार्यक्रम समिति की वेबसाईट HinduJagruti.org यू- ट्यूब और ट्विटर के द्वारा 5,400 से अधिक लोगों ने देखा ।

इस समय 'ऑप इंडिया' इस वेबसाईट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. राहुल रौशन ने कहा कि, देहली के दंगों के समय धर्मांधों ने पहले हिंसाचार चालू कर बस जलाई। यह घटना मुख्य प्रवाह की मीडिया ने हेतुपूर्वक नहीं दिखाई; परंतु हमने यह घटना देश के सामने लाई । इसलिए भाजपा के नेता श्री. कपिल मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाने का उनका षडयंत्र असफल हो गया । 'NRC, CAA लागू होने पर मुसलमानों को देश के बाहर निकाला जाएगा', ऐसा बताकर दंगे करवाए जा रहे हैं, यह भी मीडिया ने नहीं दिखाया । इस समय बेंगळुरू के लेखक और स्तंभलेखक श्री. आभास मलदहियार ने कहा कि, कम्युनिस्ट पत्रकारों की मानसिकता समझनी चाहिए । उनका उद्देश्य हिन्दू विरोधी न होकर भारत विरोधी है । इसलिए वे प्रथम हिन्दू समाज को निशाना बनाकर दुर्बल कर रहे हैं । भारत विरोधी समाचार दिखा रहे हैं । यदि हिन्दू दुर्बल हो गए, तो वे देश पर स्वयं की विचारधारा प्रस्थापित कर पाएंगे । संवाद को संबोधित करते हुए 'सनातन प्रभात' नियतकालिक के सहसंपादक श्री. चेतन राजहंस ने कहा, 'कुंभमेले के कारण पूर्ण देश में कोरोना फैला', ऐसा दुष्प्रचार हिन्दू विरोधी प्रसिद्धिमाध्यमों ने किया; परंतु उत्तराखंड राज्य में 31 मार्च तक केवल 292 लोग कोरोना संक्रमित थे । साथ ही अप्रैल माह के अंत में भी यह संख्या अल्प थी । दूसरी ओर रमजान ईद के समय पूर्ण देश में अनेक स्थलों पर मुसलमानों ने खरीदारी के लिए भीड की । उस संदर्भ में मीडिया ने समाचार क्यों नहीं दिखाए ? समाज को सत्य बताना चाहिए । इस हेतु देशभक्त और हिन्दुत्वनिष्ठ पत्रकारों को एकजुट होकर संगठित होना चाहिए ।

देश में स्वास्थ्य क्रांति की आवश्यकता!

हमसे पहले वाली पीढ़ी ने और उनसे पहले वाली पीढ़ी ने भी कभी इतना खराब वक्त नहीं देखा होगा । इतनी मौतें, कितनी बीमारियां, ऐसी लाचारियां और हद दर्जे की बद इंतजामी। लोग देखते रह गए और उनके अपने देखते देखते चले गए। जैसे मुठ्ठी में बंद रेत आहिस्ता - आहिस्ता फिसलती जा रही हो और हम उसे रोक न पाएं। लाजमी है कि ऐसे में दिमाग में तरह तरह के खराब ख़्याल लोगों की नींद उड़ा रहे हैं। इतना गहरा असर है कि अब हम मानसिक तौर पर किसी खराब खबर, डरावनी सूचना और दहला देने वाली जानकारी के लिए हर वक्त तैयार हो चुके हैं। हरित क्रांति , स्वेत क्रांति की ही तरह अब देश को स्वास्थ्य क्रांति की आवश्यकता है । पूरे का पूरा नैरेटिव ऐसा बन चुका है कि लोग अब सुधरते हालात से जुड़ी जानकारियों को भी शक की निगाह से देख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर जब मैं लखनऊ और बनारस में कम होते संक्रमण के आंकड़े सोशल मीडिया पर शेयर करता हूं तो काफी लोगों की शक भरी निगाह मेरी पोस्ट पर उठ जाती है। जो नहीं जानते हैं, वो पूरी अभद्रता से मुझे ट्रोल करते हैं, जो जानते हैं वो थोड़ी सभ्यता से सवाल उठाते हैं। सच कहूं तो मुझे किसी से शिकायत नहीं होती। कई बार तो गलती न होने पर भी माफी मांग लेता हूं। सरकारी आंकड़े शक के घेरे में हैं तो इसकी पर्याप्त वजह है। जमकर अंडर रिपोर्टिंग हुई है। गलत आंकड़े बने हैं। कोविड जांच भी सब की नहीं हुई है। फिर भी मैं कहूंगा कि यह आंकड़े पूरी सच्ची तस्वीर तो नहीं पर एक स्पष्ट संकेत जरूर देते हैं। वो यह कि संक्रमण दर वाकई कम हो रही है। इन्हीं सरकारी आंकड़ों में लखनऊ में रोजाना आने वाले संक्रमितों की संख्या सात हजार तक थी। अब पांच सौ तक आ गई है। आसपास, दोस्त, दफ्तर के साथी और रिश्तेदारों से बात करता हूं तो भी इन्ही संकेतों की पुष्टि हो जाती है। अब वो बात जिसके लिए यह पोस्ट है। मेरी पोस्ट पर आप सबकी आपत्तियां जायज है। बस आगे एक ख़्याल जरूर रखिए। लिखने से पहले यह जरूर तय कर लें कि आपकी बात के पीछे कोई मजबूत तर्क है या वाट्स अप यूनिवर्सिटी की गलत जानकारी। कोई असल प्रमाण है या दलगत आधार पर बनाया हुआ कोई परसेप्शन। कहीं भी कोई समस्या है, मेरी बात झूठ लगती है तो उसे प्रमाण और तर्क से काटें। यकीन मानिए कि वायरस अपना साइकल पूरा कर रहा है। इसके जाने में अब लॉक डाउन का भी उतना ज्यादा योगदान नहीं है। लॉक डाउन लगने से पहले ही घर घर तक संक्रमण फैल चुका था। अब इसे बहुत तेज गति से जाना ही है। हां गांवों में अभी गंभीर असर है। पूरे प्रदेश में। इसलिए जो समस्या हो, वो बताइए । घटते आंकड़ों को झूठ न मानिए। अपनी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव रखिए, खुद को नेगेटिव न बनाइए। विनाशकारी कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में देश और दुनिया के वैज्ञानकों के समानांतरक हमारे देश में पाखंडियों की एक बड़ी संख्या भी सक्रिय है। इनमें राजनेता भी हैं, साधु-संत भी और ठग भी। एक वर्ग जोर-शोर से इस प्रचार में लगा है कि देह पर गोबर का लेप लगाने से कोरोना का संक्रमण नहीं हो सकता। कुछ लोग यह बता रहे हैं कि गोमूत्र पीने से फेफड़ों का संक्रमण रोका जा सकता है। देश के कई हिस्सों से कोरोना को हवा में ही जला देने के लिए यज्ञ और हवन का सहारा लिया जा रहा है। खबर यह भी है कि कोरोना को प्रसन्न करने के लिए देवता मानकर उसका पूजा-पाठ शुरू कर दिया गया है। कुछ लोग तंत्र द्वारा किसी क्षेत्र में कोरोना के प्रवेश को रोक देने के दावे कर रहे हैं। अंधविश्वास हमारे देश के लिए नई बात नहीं और न उन्हें आंख मूंदकर स्वीकार कर लेने वाले लोगों की कभी कमी रही है, लेकिन वैश्विक महामारी के इस जानलेवा दौर में ऐसे अवैज्ञानिक और अंधविश्वासी सोच के प्रसार के घातक नतीजें सामने आ सकते हैं। देश के ग्रामीण इलाकों में लगभग अनुपस्थित जांच और चिकित्सा व्यवस्था के कारण भोले-भाले लोग आसानी से ऐसी अंध-आस्थाओं के झांसे में आ जाते है। उनका यह भोलापन तो वैज्ञानिक चेतना के विकास के साथ ही जाएगा, लेकिन संकट की इस घड़ी में अवैज्ञानिक तथ्यों से लोगों को भ्रमित कर महामारी के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कारवाई कर क्या उन्हें कड़ा संदेश नहीं दिया जाना चाहिए ?

पंकज कुमार मिश्रा एडिटोरियल कॉलमिस्ट व शिक्षक

देश में कोरोना संकट का कहर में चुनौतियां एक नहीं बल्कि कई हैं, सरकारों को मिल कर निपटना होगा

देश में कोरोना संकट का कहर भयावह है। चुनौतियां एक नहीं बल्कि कई हैं। कोरोना के चलते लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं। कोरोना के चलते अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा चुकी है। सरकारों के सामने बड़ी चुनौती यह है कि बेरोजगारों को जीवन यापन के लिए अवसर कैसे दिए जाएं। कोरोना से राहत मिलते ही लॉकडाउन से मुक्ति मिल जाने की उम्मीद तो है लेकिन आर्थिक गतिविधियां फिर से तेज होने में लम्बा समय लग सकता है। लॉकडाउन से गरीबों और श्रमिकों सहित सम्पूर्ण कमजोर वर्ग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा भारत और निम्न आमदनी वाले लोगों की चुनौतियां बढ़ने से संबंधित शोध रिपोर्टों को पढ़ा जा रहा है। पहली रिपोर्टर अंजीम प्रेम जी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष कोविड-19 संकट के पहले दौर में करीब 23 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे जा चुके हैं। ये वो लोग हैं जो प्रतिदिन न्यूनतम पारिश्रमिक 375 रुपए से भी कम कमा रहे हैं। दूसरी रिपोर्ट अमेरिकी शोध संगठन प्यू रिसर्च सैंटर द्वारा प्रकाशित की गई है।

इस महामारी के दौरान किसी ने पिता खोया तो किसी ने मां, किसी ने माता-पिता दोनों खोये तो किसी ने भाई, बहन और चाचा-चाची। मानवीय स्तर पर भी बहुत से लोगों को आघात लगा और आर्थिक स्तर पर काफी आघात लगा। कहीं बच्चे अनाथ हो गए तो कहीं परिवार का कमाने वाला असमय ही काल कवलित हो गया। समय बड़ा निष्ठुर है, कुछ समझ में नहीं आ रहा कि इस समय क्या किया जाए। कोरोना की दूसरी लहर में राहत के आसार तो दिखाई देने लगे हैं लेकिन कोरोना वायरस से पूरी तरह मुक्ति पाने तक मौतों का आंकड़ा कहां तक पहुंचेगा, कोई कुछ नहीं कह सकता। उम्मीद है कि राज्य सरकारें ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी और साथ ही सही-सही आंकड़ें रखेंगी। केवल बच्चे ही नहीं, ऐसे परिवारों की संख्या भी कम नहीं होगी जिनके परिवार का पालन-पोषण करने वाला नहीं रहा। ऐसी स्थिति बुजुर्गों के बेटे-बेटियों की हो सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कोरोना वायरस से मरने वालों के परिवार को सहायता का हिस्सा बनाया है, जो अनुकरणीय है। अरविन्द केजरीवाल ने मरने वालों के परिवार को 50 हजार रुपए की सहायता, अगर परिवार का कमाने वाला सदस्य नहीं रहा तो विधवा महिलाओं को 2500 रुपए पेंशन और उनके बच्चे को 25 वर्ष की उम्र तक 2500-2500 की पेंशन हर माह दी जाएगी। बच्चों की शिक्षा का खर्च भी सरकार उठाएगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने भी महामारी में माता-पिता की मौत के बाद अनाथ हुए बच्चों को हर माह पांच हजार रुपए की पेंशन देने और उनकी मुफ्त शिक्षा और मुफ्त राशन व्यवस्था करने की घोषणा की है। अनाथ हुए बच्चों को सामने लाना और उनकी सहायता करना सरकारों और समाज की जिम्मेदारी भी है। हम सबको यह जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी होगी। अभिभावकों की कमी तो कोई जीवन भर पूरा नहीं कर सकता लेकिन ऐसे बच्चों और परिवारों की देखभाल करके हम उन्हें भावनात्मक स्नेह प्रदान कर सकते हैं।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी ने भारत में बीते साल 2020 में 7.5 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल में धकेल दिया है। रिपोर्ट में प्रतिदिन दो डालर यानी करीब 150 रुपए कमाने वाले को गरीब की श्रेणी में रखा गया है। जहां देश का गरीब और श्रमिक वर्ग पिछले वर्ष कोरोना की पहली लहर के थपेड़ों से मिलीं आमदनी घटने और रोजगार मुश्किलों से पूरी राहत भी महसूस नहीं कर पाया, वहीं अब फिर से देश में कोरोना की दूसरी घातक लहर ने गरीबों और श्रमिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। पिछले वर्ष केन्द्र सरकार द्वारा घोषित किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान और 40 करोड़ से अधिक गरीबों ,श्रमिकों और किसानों के जनधन खातों तक सीधी राहत पहुंचाए जाने से आर्थिक दुष्प्रभावों से देश के कमजोर वर्गों को बचाया गया। केन्द्र सरकार राशन कार्ड धारकों को पांच किलो अतिरिक्त अन्न, चावल या गेहूं मुफ्त दे रही है। सामाजिक संगठन मजदूरों को अब भी भोजन करा रहे हैं। गरीबों,असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के रोजगार से जुड़े, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को सम्भालने के लिए राहत के प्रयासों की जरूरत होगी।

अनाथ हुए बच्चों और परिवार के लिए कमाने वाले लोगों की मौत के बाद विधवा महिलाओं की देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समान नीति बनाए जाने की जरूरत है। राज्य सरकारें भी संवेदनशील होकर इन पर मरहम लगाएं तो यह परिवार जल्दी ही संकट से उभर सकते हैं। कमजोर वर्गों को तुरन्त राहत की जरूरत है। इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने अनाथ बच्चों और परिवारों के लिए सहायता कार्यक्रम की घोषणा करके अन्य राज्यों को राह दिखाई है कि वे भी ऐसी ही नीतियां अपनाएं और अनाथों का नाथ बनें। समाज को भी इसकी मदद के लिए आगे आना होगा। देखना यह भी होगा कि घोषणाएं सिर्फ राजनीतिक लाभ उठाने का हथकंडा बनकर न रह जाएं। सहायता में कोई बंदरबांट न हो और पात्र लोगों को इसका लाभ मिले।

अशोक भाटिया,
स्वतंत्र पत्रकार

बरसात में गड्ढे बने आफत, पीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट हुआ फेल

वाराणसी में हुई बारिश तो सरकार की खुली पोल सड़क पर पानी ही पानी अन्दर गढ्ढा ऊपर वाहन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी मे स्वच्छ काशी सुन्दर काशी गढ्ढा मुक्त सड़क बनाने का सपना फेल होते नजर आ रहा है कोरोना काल में जहां विकास कार्य की बात करें तो चाहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हुआ चाहे पीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट में आने वाले सड़को का निर्माण कार्य हुआ सभी में बरसात का पानी प्रोजेक्ट को फेल करता दिखाई दे रहा है । पिछले तीन दिनों से हुई बरसात में सिस्टम का सारा कलाई खोल कर रख दिया जहां गड्ढे मुक्त होने की बात कही गई थी वहां गड्ढे और भयानक रूप धारण कर आवागमन के लोगों को अपना निशाना बना रहा है ।तो वही वाराणसी मे जगह जगह चौराहे तिराहे गढ्ढा ना हो ऐसा होना असंभव है स्थानीय नागरिकों का कहना है की हर दिन शहर के अन्दर कहीं ना कहीं सड़क की खुदायी होती रहती है जिससे राहगीरों को चलने मे काफी समस्याओ का सामना करना पड़ता है हालांकि वर्तमान समय मे कोरोना महामारी को लेकर उत्तर

प्रदेश में लाकडाउन लगने के कारण वाराणसी में सब काम बन्द चल रहा है जो काम जहां रुका है वही पड़ा है जिससे यातायात बाधित नही हो पा रहा है और राहगीरों को आनेजाने मे समस्या कम हुई है तो दूसरी ओर लोगों के लिये एक और मुसीबत सामने है वाराणसी में ताउते तूफान का कहर जारी है लगातार पिछले तीन दिन से हो रही बारिश के कारण शहर के अन्दर सड़क पर जगह - जगह पानी भर गया है जिससे की लोगों को आने जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है । वही शहर के अन्दर और अन्य क्षेत्रो में सब जगह सड़क जलामग्न दिखायी पड़ रहा है लोग गिरते पड़ते नजर आ रहे है बुधवार की रातभर हुई मूसलाधार बारिश से सारनाथ क्षेत्र व पाण्डेयपुर आजमगढ़ रोड , महावीर मन्दिर चौराहा, भोजुबीर - चाँदमारी रोड सहित आसपास के सभी सड़को पर पानी भरने के कारण जलामग्न दिखायी पड़ रहा है लोगों को चलने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। सारनाथ क्षेत्र के चंद्रा चौराहा रेलवे क्रॉसिंग स्थित बलुआ रोड के पास तीन दिनो से बारिश होने के बाद जलामग्न सड़क। राहगीरों को आने जाने मे हो रही परेशानी सड़क पर हुए बड़े बड़े गढ्ढे में फसने के कारण कई वाहन सड़क पर पलट रहे है जिससे राहगीरों व वाहन सवार लोग हो रहे है चोटिल। वही आजमगढ़ रोड का भी यही हाल है जगह जगह जलकल का पानी लीकेज के साथ साथ बड़े बड़े गढ्ढो में पानी भरने के कारण लोगों को सड़क पड़ चलने काफी समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है । अर्दली बाजार क्षेत्र स्थित महावीर मंदिर चौराहा का हाल तो पूछिए ही मत यहां पर जब बारिश या पानी ओवरफ्लो होता है तो सड़क जलामग्न हो जाता है सड़क तो बन गया लेकिन पानी निकासी का अब तक अता पता तक नही कई बार अखबारो में खबर प्रकाशित हुआ लेकिन आज तक कोई भी सम्बन्धित विभाग का अधिकारी देखने तक भी नही आये महावीर मंदिर चौराहे परा पानी निकासी राम भरोसे छोड़ गये। शिवपुर थाना अन्तर्गत भोजुबीर - चांदमारी रोड स्थित मेंन सड़क का हाल बेहाल है सड़क की स्थिति जर्जर बनी हुई है माहौल यहां तक बना हुआ है की स्थानीय लोग किसी तरह से चलने को विवश हो रहे है कोई भी विभागीय सम्बन्धित अधिकारी देखने तक नही आये` बड़े बड़े गढ्ढो के बीच होकर चल रहे वाहन और राहगीर समस्या पर समस्या लेकिन सुनने वाला कोई नही आखिरकार कब होगी दोषियों के खिलाफ कार्यवाही।

नए प्रोजेक्ट के साथ फिर तैयार है ध्रुव वर्मा, जानिए कब रिलीज होगी द गुड महाराजा

प्रखर मनोरंजन। अभिनेता ध्रुव वर्मा एक बार फिर से अपनी अगली को लेकर चर्चा में आ गए हैं. जल्द ही उन्हें फिल्म 'द गुड महाराजा' में देखा जाने वाला है. इस फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है. इसे अगले साल क्रिसमस से पहले 17 दिसंबर को रिलीज किया जाने वाला है. इस बात की जानकारी खुद फिल्म के निमार्ता हितेश देसाई ने दी.

ध्रुव वर्मा को दी जा रही है मोटी फीस– हितेश ने बताया कि अभिनेता ध्रुव वर्मा को मुख्य भूमिका के लिए 12 करोड़ रुपये की बड़ी रकम के साथ साइन किया गया है. फिल्म द्वितीय विश्व युद्ध पर आधारित है. बता दें कि ध्रुव को इससे पहले फिल्म 'नो मीन्स नो' में देखा गया था. इस फिल्म में उन्हें जबरदस्त एक्शन सीन्स दिए हैं और उसके लिए विश्व भर में 'भारतीय जेम्स बॉन्ड' के नाम से प्रसिद्ध हैं. अभिनेता ध्रुव ने अपनी फीस का एक बड़ा हिस्सा कोविड-19 के इलाज केंद्रों और वृद्धाश्रमों को बेहतर बनाने के लिए दान करने का संकल्प लिया है. ध्रुव का कहना है, "यह एक गंभीर वास्तविकता है और मेरे साथी देशवासियों का स्वास्थ्य पैसे से अधिक महत्वपूर्ण है."

सच्ची घटना पर आधारित है फिल्म– हितेश देसाई ने बताया कि फिल्म द्वितीय विश्व युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है. नवा नगर के शेर-दिल भारतीय महाराजा (अब गुजरात में जामनगर के नाम से मशहूर) दिग्विजय सिंह जी रणजीत सिंह जी जडेजा (उपनाम जाम साहब) युद्ध के समय लगभग 1000 पोलिश बच्चों के लिए एक पिता की तरह थे और उन्हें आश्रय दिया था, उनके बारे में सच्ची कहानी पर आधारित यह दूसरा इंडो-पोलिश सह-प्रोडक्शन प्रयास है.

ध्रुव हुए आभारी– फिल्म के बारे में बात करते हुए ध्रुव ने बताया, "मैं आभारी हूं कि निमार्ता और निर्देशक ने एक बार फिर मुझ पर अपना विश्वास दोहराया है. यह भूमिका मेरी पहली फिल्म से अलग है." उन्होंने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा, "जब सितंबर 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, तो पोलैंड पर जर्मनों और फिर रूसियों ने हमला किया था. यह फिल्म की टाइमलाइन का हिस्सा है."

ध्रुव को करना पड़ा ये एग्रीमेंट– उन्होंने बताया, "मुझे इस चरित्र के ग्राफ का पता है और मुझे अपने निर्देशक के दृष्टिकोण के अनुसार खुद को ढालना होगा. मैं अपने प्रशिक्षक-गुरु, हॉलीवुड के प्रसिद्ध स्टार स्टीवन सीगल के मार्गदर्शन में द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली बंदूकों के साथ रूस में और ज्यादा प्रशिक्षण लेना शुरू करूंगा." जी7 फिल्म्स पोलैंड के कार्यकारी निमार्ता हितेश देसाई के अनुसार, जब तक 'द गुड महाराजा' का फिल्मांकन पूरा नहीं हो जाता तब तक निमार्ता ने ध्रुव को कोई भी अन्य फिल्म साइन न करने का अनुबंध किया है.

रूस के साथ जुड़ाव की याद दिलाती है कहानी– ध्रुव के बिजनेस मैनेजर आशीष तिवारी ने बताया, भारतीय महाराजा ने पोलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंध बनाए थे. उन बच्चों में से एक पोलैंड का प्रधानमंत्री भी बन गया है. यह सहयोग मुझे दिग्गज फिल्म निमार्ता और अभिनेता राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' के साथ शुरू हुआ रूस के प्रति उनका प्यार और पोलैंड के साथ हमारे असाधारण विकाश वर्मा के शानदार जुड़ाव की याद दिलाता है.ह्ल जी7 सिक्यूरिटास ग्रुप और जी7 फिल्म्स के अध्यक्ष निर्देशक विकाश वर्मा ने कहा, "सिनेमा हमारे समाज को आकार देता है और संस्कृति को भी उजागर करता है." उन्होंने आगे कहा, "मुझे यकीन है कि महाराजा दिग्विजय साहब के परिवार को कोई आपत्ति नहीं होगी."

हालात सामान्य होने पर पूरी की जाएगी शूटिंग– प्रसिद्ध पोलिश फिल्म निर्देशक, और द पियानिस्ट के लिए ऑस्कर विजेता रोमन पोलांस्की को फिल्म के निर्देशन या मार्गदर्शन करने के लिए संपर्क किया जाएगा. वर्मा ने बताया, "वह अब 87 साल के हैं और होलोकॉस्ट के साक्षी के रूप में उनके अनुभव इस फिल्म को यथार्थता की एक अतिरिक्त परत प्रदान करेंगे." उन्होंने कहा, "इस महामारी के संकट के कम होने और टीकाकरण के बाद हम इस फिल्म की शूटिंग पूरी करेंगे. उसके तुरंत बाद नवंबर में हम 'नो मीन्स नो' को रिलीज करेंगे।

यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी, ताउते तूफान का दिखा असर

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश में अब ताउते चक्रवाती तूफान और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर दिखने लगा है। इसके चलते मौसम विभाग ने राज्य के 23 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, बारिश के अगले 24 घंटे तक जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश के दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चलने की आशंका जताई है। साथ ही बिजली गिरने के खतरे के प्रति भी लोगों को आगाह किया गया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, 20 मई को आगरा, मथुरा, हाथरस, नोएडा, अलीगढ़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद संभल, सीतापुर और हरदोई भारी बारिश की अशंका है। इन जिलों के आसपास के जिलों में भी मौसम के बिगड़े मिजाज का असर देखने को मिल सकता है। गुरुवार 20 मई की दोपहर से शुक्रवार 21 मई तक भी प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की आशंका मौसम विभाग ने जताई है। विभाग ने पीलीभीत, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर और सहारनपुर तेज बारिश की संभावना जताई है। इन जिलों में बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। अभी तक के अनुमान के मुताबिक अगले 24

घंटे तक भले ही मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा, लेकिन 22 मई से पूरे प्रदेश में मौसम के खुलने की संभावना है। कुछ जिलों में हल्की बदली हो सकती है, लेकिन बाकी जिलों में मौसम साफ हो जाएगा। लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के लगभग सभी जिलों में दिन के तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है।

कोरोना संक्रमण से मृत शिक्षकों के परिवारजनों के साथ न्याय करे सरकार-सनत कुमार सिंह

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। कोरोनावायरस संक्रमण की भयावहता के चलते अब तक पूरे प्रदेश में 1600 से अधिक शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी काल के गाल में समा गए लेकिन सरकार द्वारा मात्र 03 शिक्षकों को मृतक दर्शा कर उनके प्रति शोक संवेदना व्यक्त करना और हजारों शिक्षकों के प्रति संवेदना व्यक्त न किए जाने से शिक्षकों में काफी रोष व्याप्त है।सनतकुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी ने बताया कि कोरोना त्रासदी के दौर में पंचायत निर्वाचन के आरंभ से मतगणना से पूर्व तक मृत्युगति को प्राप्त कुल 706 शिक्षकों की सूची उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा प्रशासन को सौंपा गया था। स्थिति यह है कि मात्र एक पखवाड़े के अंदर ही मृत शिक्षकों की संख्या कुल 706 से बढ़कर 1621 हो गई है जो दोगुना से भी अधिक है। सनत कुमार सिंह ने बताया कि जनपद वाराणसी में कोरोना त्रासदी के दौर में 20 शिक्षकों व 01शिक्षा मित्र तथा 01परिचारक एवं 01 बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के स्टेनो कुल 23 लोग काल के गाल में समा गए। संघ की मांग व माननीय न्यायालय की मंशा के अनुरूप मृत शिक्षकों के आश्रितों को अति शीघ्र शिक्षक के पद पर या योग्यतानुसार परिवार के एक सदस्य को एक माह के अन्दर सरकारी नौकरी तथा कम से कम 01 करोड़ रुपये अनुग्रह राशि अतिशीघ्र प्रदान किया जाय। सरकार द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में मात्र 03 शिक्षकों को मृत दशार्या जा रहा है जिससे शिक्षकों में काफी रोष व्याप्त है। यदि मांगे नहीं मानी गई तो संगठन आंदोलनात्मक कार्रवाई के लिए बाध्य होगा।

शिवपुर थानाध्यक्ष राजीव रंजन उपाध्याय ने अपनी सोच व दूरदर्शिता से शिवपुर थाना परिसर में किया कायाकल्प

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वो लौ बार-बार जलती थी,और हर बार हवा का झोंका उसे बुझा देता। बावजूद उस लौ ने जलना नहीं छोड़ा, और आज ये एक बड़े बदलाव की लौ बन चुकी है।आलम यह है, कि शिवपुर थानाध्यक्ष की चर्चा हर एक व्यक्ति की जुबां पर है। जो नित प्रतिदिन कामयाबी की नई-नई इबारत लिख रहे हैं और ये सब मुमकिन हुआ है, एक अफसर की नई सोंच, बुलंद हौसलों और मजबूत इरादों के दम पर। एक ऐसे पुलिस अधिकारी, जिन्होंने सामाजिक बदलाव को ही अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।वैसे तो जब किसी पुलिस अधिकारी का जिक्र होता है, तो दिमाग में एक सख्त और रौबदार अफसर की छवि उभर आती है, नीली बत्ती वाली गाड़ी, सरकारी तामझाम और जी हुजूरी करते मुलाजिम। लेकिन कुछ अधिकारी ऐसे भी हैं, जिनका अलहद अंदाज जनता का दिल जीत लेता है, वो अपनी जिम्मेदारियों से ज्यादा इंसानियत को तवज्जो देते हैं। उनके लिए किसी पद के कोई मायने नहीं होते। वो काम के प्रति भी बखूबी अपना दायित्व निभाते हैं, और सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सिस्टम में मौजूद विसंगतियों से विचलित होने के बजाए हालात और समाज को बदलने के लिए वो जी-जान से जुट जाते हैं। ऐसे ही एक दमदार शख्सियत हैं पुलिस इंस्पेक्टर और वर्तमान में शिवपुर थानाध्यक्ष राजीव रंजन उपाध्याय। जिन्होंने अपने अथक प्रयासों व जन सहयोग से वाराणसी जनपद के कई थानों का कायाकल्प कराया, जिनमें मुख्य रुप से थाना कैंट व भेलूपुर थाना शामिल है।आपको बता दें, कि 28 नवंबर 20 को श्री राजीव रंजन उपाध्याय के निरंतर मेहनत व कर्तव्यनिष्ठता के परिणाम स्वरुप शिवपुर थानाध्यक्ष के लिए सपनों के पंख दिए।साथ ही अपनीसंवेदनशीलता और कार्यशैली से ब्यूरोक्रेसी को लेकर आम आदमी की सोच बदली और प्रशासन के प्रति जनता में विश्वास भी पैदा किया। मजबूत इरादों वाले इंस्पेक्टर, जिनके लिए कुछ भी नहीं है नामुमकिन वर्तमान में शिवपुर थाने की कायाकल्प करने में पूरी तन्मयता से लगे हुए हैं उन्होंने बताया इससे जनपद की कैंट व भेलूपुर की तस्वीर बदल चुके हैं शिवपुर थाने की कायाकल्प हुआ कार्य शिवपुर थानाध्यक्ष के कार्य की प्रशंसा क्षेत्रवासियों में हो रही है वही थाने में आने वाले मामलों की संख्या में भी कमी आई है क्योंकि मामला आते ही उसका त्वरित निस्तारण कराने में माहिर है शिवपुर थानाध्यक्ष। विभागीय चुनौतियों के बीच संवार रहे थाना कानून व्यवस्था के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाते हुए पुलिस अधिकारियों को शायद ही

मौका मिलता हो कि वह अपनी ड्यूटी के अलावा कुछ नया और रचनात्मक कार्य कर पाएं क्योंकि विभाग में काम की चुनौतियां ही इतनी ज्यादा हैं, कि कुछ भी सोचने का वक्त ही नहीं मिलता। वैसे तो शिवपुर थाने पर कई थानेदार पोस्ट हुए और अपनी ड्यूटी करते हुए उनका ट्रांसफर भी हो गया। यदि आप कुछ वर्ष पूर्व शिवपुर थाने पर आए हों और अब वर्तमान में आप शिवपुर थाने पर आएंगे तो यहां की पूरी की पूरी तस्वीर ही आपको बदली हुई नजर आएगी। बैरक और मंदिर से शुरू हुआ कायाकल्प इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि यहां आने के पश्चात सबसे पहले एक बैरक और परिसर में स्थित प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया। इसके बाद थानाध्यक्ष के कार्यालय, मालखाना, पुरुष पुलिस कर्मियों के लिए अलग तथा महिला पुलिस कर्मियों के लिए अलग बाथरूम की व्यवस्था और सबसे बड़ी समस्या जो थी मेस की उसे दूर करते हुए एक आधुनिक भोजन कक्ष बनाया गया है।

फरियादियों के लिए लगायी गयी है शिकायत पेटिका– इसके अलावा थाना प्रभारी कक्ष के बाहर एक शिकायत पेटिका भी रखी गई है, जिसमें कोई भी फरियादी जमीन या अपनी किसी अन्य कानूनी समस्या से संबंधित प्रार्थना पत्र डाल सकता है। उन्होंने बताया कि इस शिकायत पेटिका को प्रतिदिन थाना कार्यालय से जुड़े कर्मचारी निकालते हैं तथा संबंधित विभागों से तालमेल करके मामले का निस्तारण किया जाता है। शिवपुर संभ्रांत नागरिक बताते हैं कि पहले थाने पर आने वाले लोगों को बैठने की उचित व्यवस्था नहीं थी। मगर अब जीर्णोद्धार के बाद आमजन के साथ ही पुलिसकर्मियों के बैठने की भी यहां समुचित व्यवस्था है व पीने के स्वच्छ जल के साथ साथ अन्य व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। स्वयं थाना प्रभारी जिस कार्यालय में बैठते हैं आप उस कार्यालय को भी नहीं पहचान पाएंगे, क्योंकि उस पूरे कार्यालय की तस्वीर ही बदल चुकी है। चमचमाती टेबल, आगंतुकों के लिए वीआईपी कुर्सियां, व्यवस्थित पर्दे, वॉल पेंटिंग वगैरह कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। फूलों के गमले बढ़ा रहे शोभा पूरे थाने की क्लीन फर्श उसके किनारे लगे फूलों के गमले थाना परिसर की शोभा बढ़ा रहे है। इसे मेंटेन रखने के लिये स्वयं थाना प्रभारी राजीव रंजन उपाध्याय अपने अधिनस्थों को लगातार निर्देश देते रहते हैं। थाने को सुव्यवस्थित बनाये रखने के लिये सभी कर्मचारियों को अलग अलग जिम्मेदारी दी गयी है, चाहे सिपाही हो या सब इन्स्पेक्टर सबके कार्यो पर पैनी नजर रखते हुए प्रभारी निरीक्षक की ओर से उनका मनोबल भी बढ़ाया जाता है।

क्योंकि टीम वर्क जरूरी है – इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि थाने के रोजमर्रा के लॉ एंड ऑर्डर के कामों को निपटाने के साथ ही यहां पर तैनात हमारी पूरी पुलिस टीम पूरे मनोयोग से थाने को एक मॉडल थाना बनाने में जुटी हुई है। विशेषतौर पर सब इंस्पेक्टर आनंद चौरसिया, सब इंस्पेक्टर दान बहादुर पाल, सब इंस्पेक्टर अमरीश राय, सब इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल अखिलेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सतीश कुमार भारती, हेड कांस्टेबल सुनील श्रीवास्तव व कांस्टेबल हरेंद्र यादव की टीम अपने शिवपुर थाने को साफ सुथरा और खूबसूरत बनने के लिये अलग अलग तरह से अपना योगदान देते है।

काशी के कोतवाल का आशीर्वाद भी जरूरी है– वैसे तो मान्यता है कि काशी में कोई भी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी पोस्ट होकर आता है तो सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल का दर्शन करने के पश्चात ही वह कार्यभार ग्रहण करता है, लेकिन शिवपुर थाना एकमात्र थाना है जहां प्रतिदिन काशी के कोतवाल बाबा भैरवनाथ का दर्शन करके ही कार्य की शुरूआत की जाती है। खुद इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय प्रतिदिन अपने कार्य की शुरूआत के पहले काशी के कोतवाल बाबा भैरवनाथ की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

तहसीलदार ने ग्रामीणों लोगों को दिया भोजन व किट

प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील क्षेत्र के हिरामनपुर गांव में तहसीलदार रामनाथ ने गांव का किया निरीक्षण तथा ग्रामीणों को मेडिसिन किट व निराश्रितों को लंच पैकेट वितरित किया। इस दौरान लोगों को कोरोना गाइडलाइन को मानने का सख्त निर्देश देते हुये अनावश्यक घर से न निकलने की अपील की। कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से हमारा देश इस समय लड़ रहा है, इस महामारी से बचने के लिए लोगों को अधिक से अधिक सरकार के गाइडलाइन को मानना चाहिए और मास्क तथा उचित दूरी का पालन करना चाहिए। इस दौरान कानूनगो फेरूराम, लेखपाल रमेश समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

नोएडा में कोरोना के पांच हजार मरीजों में ब्लैक फंगस की जांच होगी : योगी सरकार

नोएडा। ब्लैक फंगस को लेकर सरकार अति सजग हो गई है। अस्पतालों में भर्ती 5161 मरीजों के डिस्चार्ज होने से पहले उनकी जांच की जाएगी। उनकी नाक की स्थिति देखी जाएगी। यदि ब्लैक फंगस का कोई लक्षण दिखता तो तुरंत ब्लैक फंगस से सम्बंधित एंटी फंगल की जांच कराकर इलाज शुरू कर दिया जाएगा। शासन ने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी कर दिए हैं। गौतमबुद्ध नगर जिले में बुधवार को कोरोना के एक्टिव केस 5161 हजार हैं। इनमें आधे से अधिक मरीज घरों में भर्ती हैं। शेष मरीजों का इलाज अस्पतालों में चल रहा है। ऐसे में इन मरीजों को जांच करने की जिम्मेदारी अस्पताल व स्वास्थ्य विभाग की होगी। सभी में ब्लैक फंगस की स्थिति को जांचा जाएगा। विभाग के अफसरों के अनुसार, होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों से विशेष तौर पर पूछा जाता है कि उन्हें कोई और बीमारी तो नहीं है। यदि किसी को दूसरी बीमारी है तो उसी के आधार पर मरीज का इलाज शुरू किया जाता है। ब्लैक फंगस के दृष्टिगत भी इलाज का ध्यान रखते हैं। : शासन की ओर से जिले में ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए छह डोज का कोटा दिया गया है। मरीजों के लिए एंफोटेरिसिन बी इंजेक्शन की छह डोज मिली हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एक मरीज को सात से दस इंजेक्शन लगाए जाते हैं। अब ऐसे में जिले को मिले इस कोटे से एक मरीज भी पूरी दवा नहीं मिल पाएगी। शासन के निर्देश मिले हैं। कोविड मरीज यदि शुगर का पेशेंट है तो उनकी ब्लैक फंगस की जांच अस्पतालों में कराई जाएगी। इस संबंध में अस्पतालों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कोरोना को मात देकर घर लौटे बुजुर्ग दंपति

दनकौर। मन में हौसला और संघर्ष से जूझने का साहस हो तो बढ़ती उम्र में भी कोरोना महामारी जैसी जानलेवा बीमारी को हराया जा सकता है। इस बात को दनकौर क्षेत्र के एक बुजुर्ग दंपति ने सच साबित कर दिखाया है। जिस बुजुर्ग दंपति के परिजन कोरोना संक्रमित घर के बुजुर्गों को तीन-तीन अस्पतालों में इलाज करा कर थक हार गए थे और हिम्मत सी हार गए थे। उन्होंने कोरोना की जंग जीत कर एक नई मिसाल पैदा की है। दनकौर के डूंगरपुर रीलखा गांव निवासी बुजुर्ग राजेंद्र सिंह प्रधान 87 वर्ष और उनकी पत्नी भूरो देवी उम्र 85 वर्ष कोरोना संक्रमित हो गई थीं। 22 अप्रैल को उन्हें अचानक बुखार आया था। बुखार आने के बाद उनकी हालत बिगड़ती गई और कोविड जांच में वह कोरोना संक्रमित पाए गए। बुजुर्ग माता-पिता को पुत्र सूरन कसाना ने ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान बुजुर्ग दंपति को दिल का दौरा भी पड़ गया। इसके बाद तो परिजन हिम्मत सी हारने लगे। परिजनों में बुजुर्ग दंपति की सेवा नहीं करने की काफी बेचैनी थी पर बेबस थे। बुजुर्ग दंपति के पुत्र सोरन प्रधान ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल प्रोमैक्स में उनके मित्र डॉ। गुंजन ने इस विपत्ति काल में उनकी खासी मदद की। उनके अस्पताल में उन्हें एक प्राइवेट रूम उपलब्ध करा दिया गया था। इसके बाद अस्पताल में समुचित इलाज की व्यवस्था मिलने पर बुजुर्ग दंपत्ति की हालत में लगातार सुधार आता गया। 26 दिन अस्पताल में रहकर इलाज कराने के बाद बुधवार को बुजुर्ग दंपति अपने घर पर आए। बुजुर्ग दंपति के कोरोना से जंग जीत कर घर आने पर परिजनों ने काफी खुशी जाहिर की। घर के किशोर और युवाओं ने परिजनों का जमकर स्वागत किया। राजेंद्र प्रधान क्षेत्र में काफी रसूख वाले चौधरी रहे हैं। क्षेत्र भर में लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से भी देखते हैं। उनके सकुशल घर पर आने के बाद परिजनों ने ही राहत की सांस नहीं ली बल्कि क्षेत्र वर्ग के लोग उन्हें बधाई देने आ रहे हैं।

शामली में बारिश की वजह से भरभराकर गिरी मकान की छत, 3 की मौत

शामली। उत्तर प्रदेश में अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान ताउते ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले 36 घंटों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिसके चलते एक मकान की छत भरभराकर गिर गई। इस हादसे में तीन बच्चों सहित मां की मलबे में दबने से मौत हो गई। इस हादसे में सिर्फ पिता और एक पुत्र ही सुरक्षित बचे हैं। मलबे में पूरा परिवार दब गया। जिसके बाद आस-पड़ोस के लोगों ने&ल्लु२स्त्र; पुलिस को सूचना दी और रहत बचाव में जुटे। मलबे में से तीन बच्चों और एक महिला को निकाला गया। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह साढ़े चार से पांच बजे के बीच हादसा हुआ। पड़ोसियों का कहना था कि रात से ही बारिश हो रही थी। मकान की छत भी कच्ची थी, जिसके वजह से यह हादसा हुआ। इस हादसे में दो बेटी, एक बेटे और मां की मौत हो गई। पिता और एक बेटा पेशाब करने के लिए बाहर निकले थे, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। इस हादसे में मां अफसाना, बेटी इरम व चंदो और बेटे सुहैल की मौत हो गई।

साइबर अपराधियों ने न्यूड वीडियो चैट से कर रहे ब्लैकमेल, सीओ ने की मदद

बदायूं। बदायूं में साइबर अपराधियों ने अब एक नया ट्रेंड चालू कर दिया है। अब ठग फ्रॉ फेसबुक, व्हाट्सएप आदि सोशल साइटों एक वीडियो कॉल कर ब्लैकमेल कर रहे हैं। यह सभी लोग फेसबुक और व्हाट्सएप को साइबर क्राइम के जरिए रीड करते रहते है। इन मामलों पर बदायूं बिल्सी के सीओ अनिरुद्ध सिंह ने जांच की। इसके बाद उन्होंने इसको अपने फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर पर लोगों को आगाह रहने की सलाह दी।&ल्लु२स्त्र; इसके बाद सीओ को देश के अलग-अलग जगह से अपने साथ होने वाले फ्रॉड की जानकारी दी गई। बदायूं बिल्सी कस्बे के रहने वाले यह प्रफुल्ल वार्ष्णेय का बड़ा व्यापार है और साथ ही साथ पेट्रोल पंप के मालिक भी हैं। इनका मोबाइल नंबर और अकाउंट ज्यादा प्रचलित होने के कारण साइबर अपराधियों ने इनको अपना शिकार बनाने की कोशिश की। इस कोशिश के जरिए उन्होंने इनके सोशल साइट्स पर फोन किया और न्यूड वीडियो फोटो आना शुरू हो गए, जिसके बाद पीछे से रिकॉर्डिंग भी शुरू कर दी गई, जिसमें उनका फोटो आ रहा था। इस बात की जानकारी तुरंत इन्होंने बदायूं बिल्सी के सीओ अनिरुद्ध सिंह को दी। एक अन्य व्यापारी सुधीर ने बताया कि इनके भतीजे के नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आती है और कॉल आने के बाद यह लोग उसी तरीके से एक सामने महिला दिखाई देती है और कुछ ही सेकंड में वह नंगी हो जाती है और स्क्रीन के ऊपर चल रहे फोटो के ऊपर वह स्क्रीन रिकॉर्डर से सारी रिकॉर्डिंग कर लेती है और इसके बाद वही वीडियो इनके मोबाइल पर भेज दी जाती है। वीडियो भेजने के बाद इनका भतीजा परेशान होता है। इस बात की जानकारी जब धीरे-धीरे घर वालों को दी। तब घरवालों ने सीओ से मदद करने की बात कही।

हिन्दू संगठनों ने मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर सौंपा ज्ञापन

विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन, दो दिनों का दिया अल्टिमेटम

प्रखर वाराणसी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में जहां एक तरफ सरकार मंदिरों को बचाने के लिए प्रयास कर रही ऐसे में काशी में सेंट्रल जेल रोड के सनबीम वरुणा स्कूल के मुख्य द्वार पर स्थित शिव मंदिर को साजिश के तहत ध्वस्त किया जा रहा है जिसको देखते हुए राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय ने ट्वीट कर प्रशासनिक अधिकारियों को पिछले 2 दिन पहले अवगत कराया था।

इसके बाद डीसीपी वरुणा ने रोशन पाण्डेय की ट्विट शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शिवपुर थाना को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था लेकिन शिवपुर थाना द्वारा भी जब कोई कार्रवाई नहीं किया गया तो रोशन पाण्डेय सभी संगठनों के साथ ऑनलाइन बैठक किया था जिसके बाद आज हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय की आवाहन पर सभी संगठनों ने

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने सुबह 9 बजे रायफल क्लब पहूंचे लेकिन दो घंटे इंतजार करने के बाद और कई अधिकारियों को फोन करने के बाद बहुत मुश्किल से एसीएम चतुर्थ मजिस्ट्रेट मैडम आएं जिन्हें सभी ने ज्ञापन सौपा। इस दौरान ज्ञापन सौंपते हुए रोशन पाण्डेय ने कहा कितनी बड़ी दुर्भाग्य की बात है जहां एक तरफ सरकार मंदिर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है वहीं दूसरी ओर बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी जो कि अध्यात्म और धर्म की राजधानी भी कहा जाता है काशी जैसे धार्मिक नगरी में भगवान शिव की मंदिरों का इस प्रकार से दुर्दशा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा यदि 2 दिनों के भीतर मंदिर निर्माण नहीं किया जाता है तो हम सभी संगठनों को लेकर सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे मजिस्ट्रेट महोदय ने ज्ञापन लेते हुए रोशन पाण्डेय को आश्वासन देते हुए कहा कि हम पूरी कोशिश करेंगे कि मंदिर जीर्णोद्धार हो।

इसके बाद रोशन पाण्डेय ने सभी को लेकर मंदिर की साफ सफाई करने सनबीम वरुणा स्थित मंदिर पहुंचे तो इसी बीच मंदिर की सफाई करते देख सनबीम स्कूल का मालिक दीपक माधोक का बेटा हर्ष माधोक अपनी गाड़ी से उतरकर संगठन के नेता योगी आलोक एवं रोशन पाण्डेय को कहा तुमलोग बेरोजगार हो कोई काम-धंधा तो है नहीं बेबकुफ हो सब और कहां की मंदिर हमारे विद्यालय की पार्किंग के लिए बाधा बन रही है इससे स्कूल को दिक्कत होता है साइड हटा दिया जाए तो अच्छा रहेगा, मंदिर हटाने की बात पर संगठन के सभी कार्यकर्ता भड़क गए और उसकी हरकत को रिकार्ड कर मुकदमा करने की बात बोले जिसके बाद उसने योगी आलोक नाथ व रोशन पाण्डेय एवं अन्य कार्यकताओं को पैर पकड़कर माफी मांगा और विडियो डिलिट करने को कहा, विडियो डिलिट नहीं करने पर उसने अपशब्द का प्रयोग करते हुए मोबाइल तोड़ने की धमकी तक दे डाला और साथ ही वहां खड़े एलआईयू के दो अधिकारी मौजूद थे उनके साथ भी अभद्रता किया जिसके बाद थाने से पुलिस को बुलाना पड़ा और पुलिस ने मामले को शांत कराई। हिंदू युवा शक्ति का प्रांत प्रचारक योगी आलोक नाथ ने कहा मंदिर को सनबीम स्कूल के द्वारा मुख्य द्वार की फ्रंट को सही करने की नियत से ऐसा किया है जिसे हम स्वीकार नहीं करेंगे। यदि मंदिर का पुनः निर्माण नहीं किया गया तो हमलोग सड़क पर उतरेंगे।

योगी आलोक नाथ समेत सभी लोगों से क्षमा मांगा

राष्ट्रीय हिंदू दल के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु स्वरूप त्रिपाठी कहां हम प्रशासन को 3 दिन का समय दिए हैं यदि मंदिर का निर्माण नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन अनशन राष्ट्रीय हिंदू दल के पदाधिकारियों के साथ करूंगा, जल्दी मंदिर बनना चाहिए। हिंदू युवा शक्ति से प्रवीण दुबे ने कहा कि मंदिर जीर्णोद्धार सनबीम को कराना चाहिए क्योंकि उसी ने इसे तोड़ने का षड्यंत्र रचा है एवं हिंदू युवा वाहिनी से आकाश गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में मंदिरों की दुर्दशा निंदनीय है इसे जल्द सुधार किया जाएं। राष्ट्रीय हिंदू दल प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु स्वरूप त्रिपाठी, सतीश,प्रवीण दुबे,पीयूष पाठक,आकाश गुप्ता, इत्यादि मौजूद रहे।

समाजसेवी व प्रधान प्रतिनिधि मो. हनीफ ने मास्क व सैनेटाइजर का किया वितरण

प्रखर सेमरियावां/संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार को विकास खण्ड सेमरियावां के करमाखान में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुहम्मद हनीफ खान ने ग्रामीणों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए मास्क व सैनेटाइजर का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करने तथा मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील भी की। इस दौरान मोहम्मद अय्यूब, मोहम्मद कलीम, मास्टर मुस्ताक, इफतेखार, करम हुसैन, भीखू, अब्दुल बाकी, सोहराब, जावेद खान, इस्तियाक अहमद, इरशाद अहमद,सद्दाम हुसैन, हीरालाल, राम शब्द आदि लोग उपस्थित रहे।

कोरोना पार्ट-2 जनसेवा समाजवादी रसोइयां के माध्यम पूर्व पार्षद वरुण सिंह ने किया भोजन पैकेट, ब्रेड, बिस्किट और नमकीन का वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेरणा और युवजनसभा प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी के निर्देश पर कोरोना पार्ट-2 जनसेवा समाजवादी रसोइयां के माध्यम से पूर्व पार्षद वरुण सिंह , युवजनसभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू और युवजनसभा महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में भोजन पैकेट , ब्रेड , बिस्किट और नमकीन का वितरण सामनेघाट , नगवां , अस्सी , नबाबगंज में किया गया । पूर्व पार्षद वरुण सिंह ने बताया नर सेवा ही नारायण की सेवा होती है इसलिए हम समाजवादियों का हमेशा यह प्रयास रहता है कोई आस पास भूखा न रह जाए । युवजनसभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू ने कहा जब भी देश , प्रदेश और अपने

काशी में आपदा आएगी हम समाजवादी हमेशा आमजन को राहत देने के लिए आगे रहेंगे । युवजनसभा महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कोरोना नियमों का पालन करने की जरूरत है , हाथ नियमीत साफ रखने , मास्क लगाने और शारारिक व्यायाम की जरूरत है जिससे इस महामारी को हराकर आने वाले सभी बीमारियों से लड़ा जा सके । युवजनसभा महानगर उपाध्यक्ष सतीश पाल ने बताया भोजन वितरण के दौरान जिनके पास मास्क नही थे उन्हें मास्क देते हुए शपथ दिलाई गई कि खुद भी मास्क लगाएंगे और अन्य को भी जागरूक करेंगे । भोजन , बिस्किट , नमकीन और ब्रेड वितरण में प्रमुख रूप से - वरुण सिंह , सत्यप्रकाश सोनकर सोनू , संजय यादव , वीरेन्द्र यादव ,सतीश पाल , कृपाशंकर यादव , ब्यूटी सोनकर , विनय भट्ट , राजेश वर्मा गुड्डू मौजूद रहे ।

विश्व हिदू परिषद व सीता की रसोई के माध्यम से जनसेवा भोजन, जूस व फल का किया गया वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व हिदू परिषद के निदेर्शानुसार गुरुवार को भी जनसेवा के छठवे दिन भी सीता की रसोई के माध्यम से भोजन , जूस और फल का वितरण किया गया । विश्व हिदू परिषद प्रांत मंत्री आनंद जी ने कहा कि महर्षि प्रखंड सत्संग प्रमुख धीरज सिंह के नेतृत्व में लगातार असहाय लोगों की मदद की जा रही है , इस सेवा कार्य को प्रेरणा के रूप में लेकर भूखे को अन्न देने का अनुसरण करना चाहिए। महानगर अध्यक्ष कंहैया सिंह ने कहा कि काशी में विश्व हिदू परिषद महानगर के नेतृत्व में निरंतर जरूरत मंद लोगो की सेवा ही नारायण सेवा से कम नहीं है, यह अभियान आगे भी निरन्तर चलता रहेगा । धीरज सिंह ने बताया यह सीता रसोइयां अभियान की शुरूआत जनमानस की सेवा के लिए हुआ है , मजदूरी करने वाले लोगों के बीच जाकर उन्हें भोजन देना प्राथमिकता हमारी है विशाल सिंह ने कहा आज कोरोना महामारी का दूसरा दौर खत्म होने के कगार पर है लेकिन ब्लैक फंगस और आने वाले तीसरे वेब से बचाव के लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग के दिशा निदेर्शों को मानते हुए बचाव की जरूरत है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जय सिंह जी , रामु सोनकर , जितेन्द्र सोनकर , कुवर युगल सिंह , मनीष जी , राजा पाठक , शैलेश गुप्ता सहित अन्य विहिप कार्यकर्ता मौजूद थे।

फूलपुर पुलिस ने नाबालिक को भगाकर ले जाने वाले युवक को दबोचा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस ने 5 दिन पूर्व नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने वाले युवक को पुलिस ने गुरुवार को धर दबोचा और दर्ज मुकदमे के तहत जेल भेज दिया और नाबालिक को बयान के लिए मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। इंस्पेक्टर फूलपुर दुर्गेश मिश्र ने बताया कि हल्का दरोगा अखिलेश कुमार मय फोर्स गायब युवक व नाबालिक लड़की के बरामदगी के लिए पिंडरा बाजार में लगे थे। तभी सूचना मिली कि वह मिराशाह तिराहे पर खड़ा है और कही भागने के फिराक में है। उसके बाद पुलिस मिराशाह पहुची और युवक को नाबालिक के साथ दोपहर में धर दबोचा। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त शिवम राजभर निवासी त्रिलोचन महादेव थाना जलालपुर जौनपुर को 363,366 व 506 तथा पास्को एक्ट के तहत जेल भेज दिया।

पूर्व मंत्री अरुण दूबे के बेमिसाल कार्य की जिलेभर हो रही सराहना

प्रखर जौनपुर। समाजवादी सरकार के पूर्व राज्य मंत्री अरुण दूबे द्वारा तीन दिनों मे तीन बेमिसाल कार्य किऐ जाने पर जिलेभर मे हो रही सराहना बतादें विगत दिनों इलेक्ट्रॉनिक चैनल के संवाददाता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव कोरोनावायरस महामारी विमारी से लड़ रहे जिसकी सूचना मिलते ही उनके घर पचास हजार की आर्थिक मदद भेजकर बेमिसालकार्य किया गया वहीं बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के गांवों में एक हजार ऑक्सीमीटर भेजकर जन कल्याण का काम किया वही भटहर जौनपुर निवासी जय प्रकाश दूबे जो रोजगार के सिलसिले में गुरुग्राम हरियाणा में अपने परिवार साथ रहते थे जहां उनकी 16 वर्ष की बेटी दीक्षा दूबे तीसरी मंजिल से गिर जाने के कारण बाएं साइड का पैर, कुल्हा, हाथ टूट गया था वहां इलाज नही करा पाने की स्थिति में परिवार के साथ जौनपुर आ गए और नईगंज में किरण हॉस्पिटल में दीक्षा दूबे को भर्ती करा दिऐ डाक्टर ने

ऑपरेशन करने को कहा जिसमें करीब लाखों रुपया का खर्च आ रहा था लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण ऑपरेशन कराने में असमर्थ थे इसकी सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से जब पूर्व मंत्री अरुण दूबे को लगा तो उन्होंने तत्काल बच्ची के पिता जय प्रकाश दूबे से संपर्क कर बच्ची के ऑपरेशन का खर्च उठाते हुए डॉक्टर से संपर्क किया और तत्काल दीक्षा दूबे का सफल ऑपरेशन नईगंज के किरण हॉस्पिटल में करवाने का काम किया जिससे जिलेभर में इस नेक कार्य की सराहना हो रही है वहीं अरुण दूबे ने बताया कि ये सब नेक कार्य करने में हमारा परिवार हमारे पिता पूर्व विधायक बाबा दुबे और हमारे नेता अखिलेश यादव के कुशल मार्गदर्शन से संभव हो पा रहा है उनकी प्रेरणा से यह सब कार्य कर के हमकों आत्म संतुष्टि मिलती हैं ईश्वर से यही प्रार्थना है कि हमको शक्ति प्रदान करें जिससे ऐसे नेक कार्य मैं अनवरत करता रहूं यह जानकारी समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी ने दिया।

बारिश ने खेतासराय कस्बे की साफ-सफाई की खोली पोल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। डीएम मनीष कुमार वर्मा की फटकार के बाद नगर पंचायत खेतासराय के अधिशासी अगर कस्बे की जाम नालियों की तलहटी तक सफाई और कूड़े का उठान अगर दो दिन पहले ही करा दिए होते तो आज खेतासराय कस्बे वासियों को दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़ती।

क्योंकि बीती रात हुई बारिश से जिस प्रकार कस्बे के दो दर्जन से अधिक घरों, दुकानों और व्यवसायिक कांप्लेक्स में नालियों का गन्दा पानी घुस गया। इससे लोगों का भारी नुकसान हुआ और कोरोना कोविड महामारी के इस दौर में संक्रामक बीमारियां भी फैलने की आशंका प्रबल हो गई है। कस्बे के मुख्य चौराहे पर स्थित मिष्ठान विक्रेता त्रिभुवन यादव, मोहम्मद मोबाइल सेंटर, मोहम्मद सईद कुरैशी, इंटरनेट संचालक

अशफाक अहमद समेत दो दर्जन से अधिक दुकानों में नालियों का बज बजाता गंदा पानी घुस गया। मुख्य मार्ग पर स्थित मकबूल कटरा, खान कटरा और जोगियाना मोहल्ले में सड़क के दोनों तरफ निचले हिस्से में स्थितमकानों, दुकानों में ऐसी ही स्थिति देखी गई। कस्बा के पुरानी बाजार मार्ग पर स्थिति और भी खराब हो गई। नालियों का गंदा पानी खुलेआम सड़क पर बह रहा था। उसी के बीच आम नागरिक पैर रखकर आने जाने के लिए मजबूर थे। ऐसी ही घोर बंद इंतजामी वार्ड नंबर एक सरवरपुर, भारती विद्यापीठ वार्ड, कोहरऊटी, जोगियाना मोहल्ला, गोला बाजार वार्ड में देखी गई। पुराना थाना के सामने नाली एवं इंटरलॉकिंग के नहीं होने से हालात बद से बदतर हो गए हैं।

ईओ अमित कुमार को डीएम ने क्या दी थी हिदायत- खेतासराय। बीते 14 मई को डीएम मनीष कुमार वर्मा अपने पूरे प्रशासनिक अमले के साथ खेतासराय कस्बे में जब धमक पड़े थे, उस दौरान उन्होंने अधिशासी अधिकारी अमित कुमार को कड़ी फटकार लगाते हुए सख्त हिदायत दिया था कि दो दिन में खेतासराय कस्बे की सभी नालियों की तलहटी तक सफाई करा कर मुझे सूचना दें । इसकी मॉनिटरिंग के लिए एसडीएम शाहगंज राकेश वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीएम के जाते ही न तो कस्बे में साफ सफाई की गई, और न ही जाम नालियों से मलवे को निकाला गया । फिर क्या, आखिरकार बारिश होते ही नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा और लोगों के घरों में घुस गया।

बहरूपियो से रहें सावधान- गोलू पासवान

प्रखर सन्तकबीरनगर। युवा समाजसेवी खलीलाबाद ब्लाक के भावी ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी श्याम बिहारी पासवान उर्फ गोलू पासवान ने मंगलवार को बातचीत के दौरान कहा कि खलीलाबाद ब्लॉक क्षेत्र में कुछ बहरूपिया किस्म के लोग खलीलाबाद ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ने मैदान में आ गए है। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों को आगाह करते हुए कहा कि इन बहरूपियो से सावधान रहने की जरूरत है। गोलू पासवान ने कहा कि कुछ बहरूपिया ऐसे है जो क्षेत्र पंचायत सदस्यों के घर पहुंचकर और उन्हें लाभ लुभावना देते हुए उनका प्रमाण पत्र लेने का काम कर रहे है। जो ठीक नहीं है श्री पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है लेकिन किसी का प्रमाण पत्र लेने का अधिकार नहीं है उन्होंने कहा मेरी बढ़ती लोकप्रियता को देखकर के कुछ विरोधी किस्म के लोग घबरा गए है। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को लालच देकर उनका प्रमाण पत्र लेना चाह रहे थे। लेकिन क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने उन्हें नकारते हुए

हिदायत दिया कि यह प्रमाण पत्र मुझे जनता के बदौलत मिला है। मैं किसी को नहीं दूंगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला प्रेमी प्रेमिका का शव

प्रखर बस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में मिला नदी में प्रेमी प्रेमिका का शव, शव मिलने से आस पास के इलाकों में मचा हड़कंप,ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस,पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया,पूछताछ के दौरान हुई प्रेमी युगल की शिनाख्त, वाल्टरगंज थाना के रघुनाथपुर गांव के बताए जा रहे प्रेमी युवक,18 मई की रात से लापता थे प्रेमी-प्रेमिका,सदर कोतवाली के सियरापार गांव की घटना।

संक्षिप्त खबरें

सरकार आंकडो की बाजीगरी से बाहर आये अन्यथा शिक्षक शासकीय कार्यो से खुद को रखेंगे विमुख- रमेश सिंह

प्रखर जौनपुर। उ0 प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुवे निर्वाचन आयोग और बेसिक शिक्षा मंत्री द्वारा कोरोना से मृत शिक्षकों को लेकर जो आंकडो की बाजीगरी चल रही है उस पर कड़ी नाराजगी प्रकट की है।कोरोना संक्रमण से मृत शिक्षकों और कर्मचारियों के परिजनों को अनुग्रह राशि न देनी पड़े इसलिए उनकी संख्या महज 3 दशार्यी जा रही है जो वास्तव में लगभग 2000 के करीब पहुंच रही है।अगर शासन ने अविलम्ब सभी पीड़ित परिवारों को 50 लाख की अनुग्रह राशि नही जारी किया तो भविष्य में प्रदेश भर के शिक्षक, शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य किसी शासकीय कार्य एवम निर्वाचन कार्य से खुद को अलग कर लेंगे और जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस संदर्भ में रमेश सिंह ने कहा कि विश्व का कोई भी चिकित्सक यह कहने की स्थिति में नही है कि कोरोना से संक्रमित कोई भी रोगी संक्रमण के 24 घण्टे के अंदर मृत हो जाएगा परन्तु राज्य चुनाव आयोग एवम बेसिक शिक्षा के जिम्मेदार अधिकारी और बेसिक शिक्षा मंत्री के पास न जाने कौन सा थमार्मीटर है जिसके आधार पर वे आंकड़े निकाल रहे हैं,और महज 3 लोगों का आंकड़ा निकालने में उनकी प्रयोगशाला 20 दिन लगा देती है।

रानी चटर्जी संग देव सिंह लगा रहे है ठुमके, वीडियो हुआ वायरल

प्रखर मनोरंजन। कई दशकों से भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में राज करने वाली सुपर हॉट अभिनेत्री रानी चटर्जी और विलेन देव सिंह का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों एक दूसरे के साथ खूब ठुमके लगाते नजर आये हैं। दरअसल, यह अपकमिंग भोजपुरी फिल्म 'बाबुल की गलियां' का स्पेशल गाना है। गाने के बोल हैं - दुनिया जाए भाड़ में। यूं तो रानी के डांस पर किसी को संदेह नहीं, लेकिन सिनेमाई पर्दे पर अपनी पहचान विलेन के रूप में बनाने वाले वरस्टाईल अभिनेता देव सिंह पहली बार झूम - झूम कर डांस करते नजर आये हैं। गाने की शूटिंग अकबरपुर में हुई है। फिल्म 'बाबुल की गलियां' संपूर्ण सामाजिक और पारिवारिक फिल्म है। फिल्म की कहानी के अलावे इसके सुरमई गाने से लेकर डांस सांग भी आकर्षण का केंद्र होंगे, जिसमें एक गाना रानी और देव सिंह पर फिल्माया गया। इसी गाने का यह वीडियो जैसे ही आउट हुआ, वीडियो को वायरल होते देर नहीं लगी। इस गाने में रानी के साथ ठुमके लगाते देव सिंह भी खूब भा रहे हैं। हालांकि देव सिंह के फैंस ने उन्हें कभी इस अंदाज में नहीं देखा होगा, लेकिन अपनी अदाकारी को जीवंत करने वाले इस अभिनेता ने रानी के साथ दिल छूने वाले कई हुक स्टेप्स किये हैं, जिसे देख आप भी हैरान रह जाएंगे।

दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव उर्फ दीपू को सत्यनिष्ठा लगनशील कार्य करने के लिए प्रशस्त पत्र से किया गया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन - 2021 चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने से मतगणना संभावित के बाद तक लगातार अपने सत्य निष्ठा के साथ काम करने करने पर दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव उर्फ दीपू ब्लाक मझवा कछवा मीरजापुर को त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन - 2021मे सत्यनिष्ठा लगनशील ओजस्वी कार्य करने के लिए प्रशस्त पत्र से सम्मानित किया गया । यह सम्मान पत्र प्रभारी खंड विकास अधिकारी मिजापुर द्वारा चुनाव में अच्छे कार्य करने वाले लोगों को दिया जा रहा है जिसमें दुर्गेश श्रीवास्तव को यह प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सुभासपा मंडल अध्यक्ष रमेश राजभर के बड़े भाई बरसाती राजभर का हुआ निधन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुभासपा मंडल अध्यक्ष व नवनिर्वाचित प्रधान ग्राम चारो रमेश राजभर के 58 वर्षीय बड़े भाई बरसाती राजभर की आकस्मिक मौत 19 मई की सुबह हो गई बहुत ही सुशील सरल विचार के थे। अपने पीछे पत्नी दो लड़के एक लड़की को छोड़ गए है। समाचार मिलने पर उनके दुःख में शामिल होने सुभाषपा प्रदेश उपाध्यक्ष शशिप्रताप सिंह,, चंदन विश्वकर्मा, सुरेंद्र राय, दीपक केशरी, जागेश्वर राजभर, विजेंद्र पाल सहित सैकड़ों लोग पहुंच कर ढाढस बढ़ाया तथा मृत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना किया।

बिना मास्क के घूम रहे लोगों से वसूला गया जुमार्ना

प्रखर सन्तकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर के निर्देशन में जनपद में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत बिना मास्क के घूम रहे लोगों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत 88 व्यक्तियों से 11800 रु0 वसूल किया गया। बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर डा0 कौस्तुभ के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तीनों सर्किलों में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्रा, क्षेत्राधिकारी धनघटा अम्बरीष भदौरिया व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल रामप्रकाश के नेतृत्व में सभी थानों द्वारा कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत लोगों को सोशल डिस्टेसिंग अपनाने, हाथ धोने आदि के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा अभियान चलाकर बिना मास्क के घूम रहे 88 व्यक्तियों से 11800 चालान वसूल किया गया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं